हरिभूमि
रायपुर भूमि

चिलचिलाती धूप में सड़कें खाली, शाम को बाजार में पैर रखने तक की जगह नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चिलचिलाती धूप और लू की स्थिति निर्मित होने से राजधानी का तापमान सुबह 9 बजे के बाद से चढ़ने लगता है। लोग अपने सभी काम दोपहर 12 बजे तक निपटा रहे हैं। हालत ऐसी है कि दोपहर 12 बजे के बाद शहर के व्यस्त मार्ग जयस्तंभ चौक, शास्त्री चौक तक में कर्फ्यू के हालात नजर आते हैं। इसी तरह पूरे दिन चहल-पहल में रहने वाले मालवीय रोड पर दोपहर के समय सन्नाटा पसरा रहता है। दिन के समय जिन व्यस्त मार्गों पर कर्फ्यू जैसी हालत रहती है, उन मार्गों पर शाम के समय पैर रखने तक की जगह नहीं मिलती है। लोग जरूरी सामान खरीदने दिन के बजाय शाम को घर से निकल रहे हैं। इसके चलते शहर के प्रमुख मार्गों पर दिन से ज्यादा शाम के समय लोगों की ⏭शेष पेज 13 पर

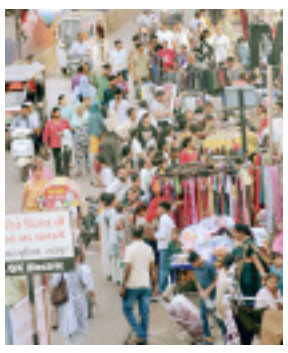

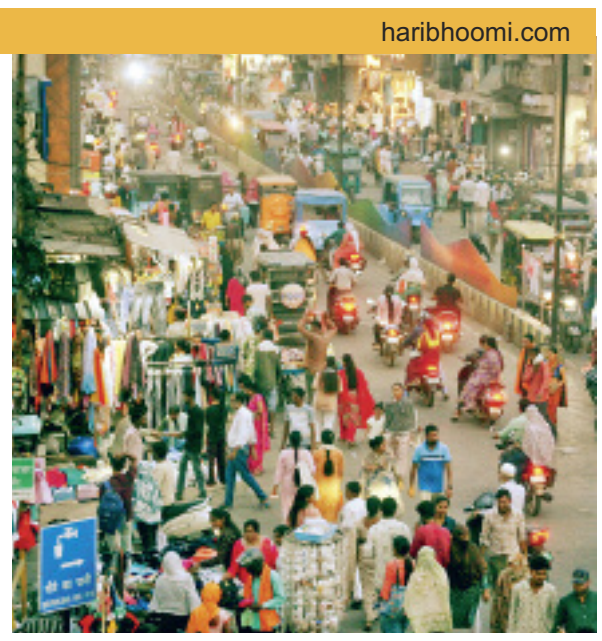

गर्म हवा से झुलस रहा नवा रायपुर राजधानी से एक डिग्री ज्यादा टेम्प्रेचर

खुला इलाका होने की वजह से राजधानी की तुलना में नवा रायपुर गर्म हवाओं से ज्यादा झुलस रहा है। माना एयरपोर्ट के आसपास दूसरी बार अधिकतम तापमान 45 डिग्री तक पहुंचा है। जबकि आबादी अधिक होने के कारण पुराना रायपुर का तापमान 44 डिग्री के इर्द-गिर्द ही घूम रहा है। अगले तीन से चार दिनों तक गर्मी में किसी तरह की कमी आने की कोई संभावना नहीं है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, प्रदेश अभी भारी गर्मी की चपेट में हैं और मध्य हिस्सा इससे बुरी तरह प्रभावित है। दोपहर होते ही चलने वाली गर्म हवा लोगों को झुलसाने के लिए ⏭शेष पेज 13 पर

हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
मास्टर कूपन
25 मई 2026
कूपन नं.
1

खबर संक्षेप

जुआ खेलते धरे गए दो जुआरी, 28.5 हजार जब्त

रायपुर। राजेंद्र नगर पुलिस ने शनिवार देर रात मुखबिर की सूचना पर दो जुआरियों को जुआ खेलते गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 28.5 हजार रुपए जब्त की है। जुआ खेलने के आरोप में पुलिस ने राजेंद्र नगर निवासी पवन कस्तूरिया उर्फ बब्बू, अमित दीप उर्फ डेविड को गिरफ्तार किया। दोनों दीपक कॉलोनी स्थित महिला मंडल भवन के पास जुआ खेल रहे थे। दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने 3(2) छत्तीसगढ़ राज्य जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 का अपराध पंजीबद्ध किया है।

एमडीएमए ड्रग के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। गुढ़ियारी पुलिस ने एमडीएमए ड्रग्स के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से ढाई ग्राम से ज्यादा नशीला पदार्थ जब्त किया है। पुलिस ने एमडीएमए ड्रग के साथ शशांक तांडेकर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शशांक को सीएसईबी मैदान के पास चारपहिया वाहन में एमडीएमए के साथ गिरफ्तार किया है। फॉरवर्ड, बैकवर्ड लिंकेजेस के आधार पर पुलिस आरोपी से अन्य आरोपियों के संबंध में पूछताछ कर प्रकरण में कर आगे एंड टू एंड कार्रवाई करने की बात कह रही है।

छह किलो गांजा के साथ दो महिलाएं गिरफ्तार

रायपुर। सरस्वती नगर पुलिस ने दो महिलाओं के कब्जे से छह किलो से ज्यादा गांजा जब्त किया है। दोनों महिलाएं गांजा बेचने की फिराक में ग्राहक तलाश रही थीं। इस दौरान पुलिस ने चित्रा यादव तथा तनूजा देवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों महिलाओं को कुकुरबेड़ा के पास से गिरफ्तार किया।

प्रतिबंधित केमिकल के घोल का उपयोग होने की आशंका, सेहत पर विपरीत असर

भरी गर्मी में चमकदार हरी सब्जियां, प्राकृतिक या केमिकल का कमाल? बरसों से जांच ही नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- राज्य में हर महीने डेढ़ सौ करोड़ का कारोबार, दूसरे राज्यों से मंगाई जाती हैं सब्जियां

भरी गर्मी और चिलचिलाती धूप में जहां आम इंसान बेहाल हो रहा है, वहीं बाजार में बिकने वाले हरी सब्जियां अस्वाभाविक रूप से तरोताजा और चमकदार नजर आ रही हैं। आशंका है कि सब्जियों को चमकदार बनाने के लिए घातक और रासायनिक रंगों का इस्तेमाल किया जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि छत्तीसगढ़ में हर महीने होने वाले डेढ़ सौ करोड़ के कारोबार के बाद भी खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बरसों से इसका कोई लीगल सैंपल नहीं लिया है।

हरिभूमि सरोकार

राजधानी में लगने वाले विभिन्न सब्जी बाजारों में बिकने वाली सब्जियों के हरे एवं चटकदार रंग लोगों को बरबस ही अपनी तरफ आकर्षित करते हैं। सब्जियां स्वाभाविक रूप से तरोताजा होती हैं अथवा उनमें किसी तरह का केमिकल लोचा होता है? यह पहचानना मुश्किल होता है। जानकारों की मानें तो बासी, सूखी और मुरझाई हुई सब्जियों को ताजा दिखाने के लिए प्रतिबंधित रासायनिक रंगों का इस्तेमाल भी किया जाता है। कृत्रिम रंगों से रंगी गई ये सब्जियां सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती हैं। इसके बाद भी खाद्य एवं औषधि विभाग सब्जियों के तरोताजा होने की वास्तविकता का पता लगाने गंभीरता नहीं दिखा रहा है। सूत्रों का कहना है कि जांच टीम ने रायपुर ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में इन हरी सब्जियों की जांच के लिए सालों से कोई लीगल सैंपल नहीं उठाया है। कुछेक बार औपचारिकता निभाने के लिए थोक सब्जी बाजार में जाकर जांच की गई है, मगर संदेह पर किसी के सैंपल लेकर उसे जांच के लिए प्रयोगशाला नहीं भेजा गया है। इधर जानकार सूत्रों का दावा है कि राज्य के खाद्य एवं परीक्षण शाला में सब्जियों की हर तरह की जांच की सुविधा नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, मेलाकाइट ग्रीन और कॉपर सल्फेट के घोल का इस्तेमाल किया जाता है, जो स्वास्थ्य पर विपरीत असर डालता है। आमतौर पर परवल, भिंडी, करेला, शिमला मिर्च जैसी हरी सब्जियों को कृत्रिम रंगों में डुबोया जाता है, जो खाने योग्य नहीं होते।

पाचन तंत्र हो सकता है प्रभावित

चिकित्सकों के मुताबिक इन रासायनिक रंगों और रसायनों का लगातार सेवन मानव शरीर के लिए बेहद खतरनाक है। इससे पाचन तंत्र पर असर पड़ सकता है और पेट दर्द, उल्टी-दस्त जैसी समस्या हो सकती है। लगातार उपयोग से यह किडनी और लिवर को भी नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए बाजार से लाई गई सब्जियों को कम से कम आधे घंटे गुनगुने नमक के पानी में भिगोकर रखें और अच्छी तरह धोने के बाद ही पकाएं।

फलों की जांच के लिए चलेगा तीन दिन अभियान

नियंत्रक दीपक अग्रवाल ने तमाम अभिहित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि फलों के रखरखाव, उसकी क्वालिटी और मिलावट की जांच की जाए। इसके लिए टीम को थोक फल बाजार के साथ मंडियों और छोटे दुकानों में जाकर जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान लापरवाही पाए जाने पर संबंधित व्यापारी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। 27 से 29 मई तक इस अभियान में सड़े-गले फलों को तत्काल नष्ट भी कराया जाएगा।

सीएमडीसी के जीएम का मोबाइल चुराकर यूपीआई से एक लाख रुपए पार

- 16 मई को सब्जी खरीदी करने के दौरान अज्ञात चोर ने मोबाइल चोरी कर उड़ाए रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

तेलीबांधा थाने में सीएमडीसी के महाप्रबंधक ने अज्ञात चोर के खिलाफ मोबाइल चोरी कर यूपीआई से एक लाख रुपए आहरण कर ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। अफसर की शिकायत पर पुलिस अपराध दर्ज कर जांच कर रही है। अफसर के साथ मोबाइल चोरी की घटना सब्जी खरीदने के दौरान पिछले सप्ताह हुई थी।

उपेंद्र कुमार ने पुलिस में मोबाइल चोरी तथा यूपीआई से रकम आहरण कर ठगी करने की शिकायत दर्ज कराई है। उपेंद्र ने पुलिस को बताया कि वह अपना आई-फोन लेकर 16 मई को शाम 5 बजे जोरा सब्जी बाजार गया था। सब्जी खरीदने के दौरान अज्ञात चोर ने अफसर की पैंट की जेब से मोबाइल चोरी कर ली। इसके बाद अफसर ने 19 मई को नया सिम अलाट कराया, तब अफसर के मोबाइल में एक लाख रुपए यूपीआई से आहरित होने का मैसेज आया। इस तरह अफसर के मोबाइल से अज्ञात चोर ने एक लाख पांच हजार रुपए आहरित कर ठगी का शिकार बनाया। मोबाइल चोरी करने के बाद तत्काल सिम किसी दूसरे मोबाइल पर डालकर अफसर के यूपीआई का पासवर्ड तथा अन्य जानकारी रिसेट कर अकाउंट से रकम आहरित कर ठगी का शिकार बनाने की पुलिस को आशंका है।

एनआरडीए ने बरौंदा और रमचंडी की निजी जमीनों के अधिग्रहण की कार्रवाई शुरू की

एयरपोर्ट के करीब एरोसिटी, नया प्लान मंजूर, अब होगा अधिग्रहण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नवा रायपुर में स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के पास प्रस्तावित एरोसिटी के प्लान की अंतिम स्वीकृति राज्य शासन ने दे दी है। यहां पर बरौदा-रमचंडी की 88 हेक्टेयर निजी जमीन पर होने वाले इस निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण की अधिसूचना जारी की गई है। एरोसिटी का पुराना प्रस्ताव रद्द कर दिया गया है। अब इसे नए विस्तृत प्लान के तहत बसाने की तैयारी है, जिसका नया प्रस्ताव

बनाकर अंतिम स्वीकृति के लिए राज्य सरकार को भेजा गया था। इसकी स्वीकृति मिलने के बाद एनआरडीए ने निजी जमीनों के अधिग्रहण की कार्रवाई शुरू की है। उल्लेखनीय है ⏭शेष पेज 13 पर

एरोसिटी में होंगी ये सुविधाएं

एरोसिटी जो सुविधाएं दी जाएंगी, उनमें 5-स्टार और 7-स्टार होटल, जो यात्रियों और पर्यटकों के ठहरने सुविधाएं प्रदान करेंगे। कॉर्पोरेट और बिजनेस हब, जिनमें उन्नत तकनीक, वाई-फाई कनेक्टिविटी और आधुनिक वर्कस्पेस होंगे। मॉल और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, खरीदारी के लिए प्रीमियम ब्रांड स्टोर्स, बुटीक और डेली उपयोग वस्तुओं के स्टोर्स, बेहतरीन रेस्टोरेंट, लाउंज, और कैफे होंगे। हवाई अड्डे, मेट्रो स्टेशन और प्रमुख एक्सप्रेस-वे के लिए आसान तथा तेज ट्रांसपोर्ट की सुविधा मिलेगी। कामकाजी लोगों के लिए प्रीमियम अपार्टमेंट्स और को-लिविंग स्पेस की सुविधा दी जाएगी।

बसाहट बढ़ाने नियमों में परिवर्तन

नवा रायपुर विकास प्राधिकरण ने नवा रायपुर में बसाहट बढ़ाने के लिए नियमों में परिवर्तन कर दिया है। अब पहले के मुकाबले नवा रायपुर में मकान, दुकान, व्यवसायिक कॉम्पलेक्स, औद्योगिक प्रावधान आदि के निर्माण के समय पहले से कम जमीन छोड़नी पड़ेगी। ऐसे में आवंटितियों को ज्यादा से ज्यादा जमीन के उपयोग का अधिकार मिलेगा। छत्तीसगढ़ नगर एवं ग्राम ⏭शेष पेज 13 पर

इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में पुलिस की दबिश

रायपुर। डीडीनगर थाना क्षेत्र के इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में पुलिस द्वारा सघन चेकिंग एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। मकान मालिकों एवं किराएदारों को थाने में सूचना देने हिदायत दी गई। चैकिंग अभियान में पुलिस के 80 कर्मी तथा अफसर शामिल रहे। डीसीपी पश्चिम जोन संदीप पटेल एवं अतिरिक्त डीसीपी राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में इंद्रप्रस्थ कॉलोनी के ईडब्लूएस एवं एलाईजी क्वार्टर में रविवार तड़के एसीपी पुरानी बस्ती के नेतृत्व में थाना प्रभारी पुरानी बस्ती, आमानका एवं डीडीनगर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से क्षेत्र में सघन तलाशी एवं चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना, असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखना एवं आमजनों में सुरक्षा संबंधी जागरूकता बढ़ाना रहा।

महिला के घर पटाखा बम फेंका दी जान से मारने की धमकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कबीर नगर थाना क्षेत्र में एक बदमाश ने एक महिला तथा उसके परिवार को धमकाने के लिए शनिवार देर रात उसके घर पटाखा बम फेंक दिया। घटना का सीसीटीवी फूटेज भी सामने आया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने बम फेंकने वाले बदमाश तथा उसके अन्य साथियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- जेल से छूटने के बाद बदमाश ने महिला तथा उनके परिवार को धमकाने की वारदात

हीरापुर, वीर सावरकर नगर निवासी महिला रिंकू तिवारी ने उसी क्षेत्र के रहने वाला सोनू पटेल और उसके साथियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि बम फेंकने वाले बदमाशों ने चाकू

लहराते हुए महिला तथा उसके परिवार के लोगों को जान से मारने की धमकी दी। बताया जा रहा है, रिंकू तिवारी ने कुछ माह पूर्व बदमाशों के खिलाफ अपनी बेटी के साथ छेड़खानी करने की थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। तब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल कर दिया था। जेल से छूटने के बाद रिंकू से बदला लेने बदमाश ने महिला को डराने की नीयत से उसके घर में पटाखा बम फेंका।

सूडा से अपग्रेडेशन को एप्रूवल का इंतजार, सप्ताहभर और लग सकता है समय

प्रॉपर्टी टैक्स भुगतान का ऑनलाइन सिस्टम बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम में वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रॉपर्टी टैक्स भुगतान का ऑनलाइन सिस्टम 24 दिनों से बंद पड़ा है, स्थिति ये है कि 30 अप्रैल के बाद से न तो करदाता घर बैठे ऑनलाइन करों का भुगतान कर पा रहे हैं, न ही ऑफलाइन टैक्स जमा किया जा रहा है। इसका सीधा असर राजधानी के हजारों करदाताओं पर पड़ रहा है। जिन संपत्तियों का टैक्स जमा नहीं हुआ है, उनकी रजिस्ट्री, नामांतरण और अन्य राजस्व संबंधी प्रक्रियाएं भी प्रभावित हो रही हैं। दूसरी ओर नए वित्तीय वर्ष में मिलने वाली 6.50 फीसदी छूट का लाभ करदाताओं को नहीं मिल पा रहा है। यह लाभ संबंधित करदाताओं को 30 मई तक मिल सकता है। ⏭शेष पेज 13 पर

सप्ताहभर में अपग्रेड हो जाएगा सिस्टम

इस वर्ष प्रॉपर्टी टैक्स के लाइव पोर्टल में कुछ टेक्नीकल अपग्रेडेशन कार्य चल रहा है, साथ ही यूजर चार्ज पुनर्निधारण के लिए डिस्कशन हो रहा है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगले सप्ताह तक सिस्टम अपग्रेड हो जाएगा।
- संबित मिश्रा, आयुक्त, नगर निगम रायपुर

नई व्यवस्था में बढ़ सकता है यूजर चार्ज

केंद्र सरकार द्वारा अप्रैल माह में देशभर में नया सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियम लागू किया गया है। यह नियम लागू होने के बाद नगर निगम को कचरा प्रबंधन की अतिरिक्त जिम्मेदारियां निभानी होंगी। अब सिर्फ गीला और सूखा कचरा नहीं, बल्कि चार तरह के कूड़े का संग्रहण और निपटान करना होगा। इसके लिए नगर निगम को अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ेगा। इसी वजह से संपत्ति कर के साथ जुड़ा यूजर चार्ज अपडेट किया जा रहा है। फिलहाल 1 हजार वर्गफीट के मकान पर 800 रुपए सालाना यूजर चार्ज लिया जाता है, इसमें स्लैब वाइज बढ़ोतरी की तैयारी चल रही है।

हर तीन साल में यूजर चार्ज बढ़ाने का प्रावधान

शासन द्वारा वर्ष 2017 के राजपत्र प्रकाशन में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि प्रत्येक तीन साल में यूजर चार्ज की दर में संशोधन होना है, पर अभी तक शासन स्तर पूरे प्रदेशभर में यूजर चार्ज की नई दर अब तक तय नहीं हो सकी है। इसे लेकर शासन स्तर पर विचार मंथन चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक, अगले सप्ताह तक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। स्लैब वाइज यूजर चार्ज में बढ़ोतरी हो सकती है।

पीसीसी अध्यक्ष की कुर्सी पर सियासी बयानबाजी, टीएस-बैज मामले से भूपेश ने किया किनारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी को लेकर चल रही सियासी बयानबाजी अब खुलकर सामने आने लगी है। प्रदेश कांग्रेस में इन दिनों नेताओं के बयानों ने सियासी तापमान बढ़ा दिया है।

■ अंतिम फैसला दिल्ली दरबार से तय होगा : भूपेश

एक तरफ टीएस सिंहदेव जिम्मेदारी निभाने की इच्छा जता रहे हैं, दूसरी तरफ दीपक बैज युवा नेतृत्व की बात कर रहे हैं। भूपेश बघेल ने खुद को इस बयानबाजी से अलग रखते हुए साफ संकेत दिया कि अंतिम फैसला दिल्ली दरबार से ही तय होगा। टीएस सिंहदेव और दीपक बैज के बीच जारी बयानबाजी के बीच पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, वे टीएस सिंहदेव के किसी बयान पर प्रतिक्रिया नहीं देते।

उन्होंने कहा, वे टीएस सिंहदेव के किसी बयान पर प्रतिक्रिया नहीं देते। दीपक बैज पिछले तीन से साढ़े तीन साल से प्रदेश अध्यक्ष हैं और सभी उनके नेतृत्व में काम कर रहे हैं। किसे नेता प्रतिपक्ष बनाना है और किसे प्रदेश अध्यक्ष, यह फैसला पार्टी हाईकमान का होता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा, कि पार्टी में किसे क्या जिम्मेदारी मिलेगी, इसका फैसला हाईकमान करता है। उसके लिए मैं अपनी बुद्धि नहीं लगता।

बैज ने टीएस पर कसा था तंज

टीएस सिंहदेव के बयान पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा था कि बाबा बड़े नेता हैं, उन्हें दिल्ली जाकर काम करना चाहिए। प्रदेश में युवाओं को मौका मिलना चाहिए। श्री बैज के इस बयान को कांग्रेस के भीतर चल रही अंदरूनी खींचतान और परिवर्तन की राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

टीएस ने दिया था ये बयान

हाल ही में पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा था कि अगर पार्टी उन्हें प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी देती है तो वे उसे निभाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि वे छत्तीसगढ़ के लिए ही काम करेंगे। उनके बयान के बाद कांग्रेस के भीतर नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया।

खबर संक्षेप

कवि संजीव ठाकुर भोपाल में होंगे सम्मानित

रायपुर। भोपाल में 5 जुलाई को एक प्रतिष्ठित समारोह में लेखक, कवि संजीव कुमार ठाकुर को

राष्ट्रीय गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकारिता, साहित्य शिखर सम्मान प्रदान किया जाएगा। दिल्ली-भोपाल में 45 वर्ष पूर्व स्थापित निर्दलीय प्रकाशन द्वारा हर वर्ष भोपाल में राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर के आध्यात्मिकविदों, गांधीजनों, चिंतक, शिक्षाविदों, समाजवियों, साहित्यकारों और पत्रकारों को सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष छत्तीसगढ़ के साहित्यकार कवि संजीव कुमार ठाकुर का चयन राष्ट्रीय गणेश शंकर विद्यार्थी साहित्य तथा पत्रकारिता सम्मान के लिए किया गया है। इस आशय की लिखित सूचना निर्दलीय प्रशासन के संचालक, प्रकाशक द्वारा दी गई और 5 जुलाई को कार्यक्रम में उपस्थित होने की सहमति भी मांगी गई है।

अनुरेखक के लिए आवेदन प्रारंभ

रायपुर। जल संसाधन विभाग के अंतर्गत अनुरेखक सिविल के रिक्त पदों के लिए आवेदन प्रारंभ हो गए हैं। कैंडिडेट 15 जून तक इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा की संभावित तिथि 2 अगस्त है। आवश्यक योग्यता, पाठ्क्रम, शुल्क सहित अन्य जानकारी व्यापम की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

गर्मी और ईंधन संकट फील्ड कॉल को निलंबित करने की अपील

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पड़ रही तेज गर्मी और वैश्विक ईंधन संकट को ध्यान में रखते हुए बाहरी वातावरण में व्यापक रूप से काम करने वाले चिकित्सा प्रतिनिधियों फील्ड कॉल निलंबित करने की अपील एएचपीआई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डा. राकेश गुप्ता एवं महासचिव डा. अतुल सिंघानिया ने फार्मा कंपनियों एवं डाक्टरों से की है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी की लहरों ने निरंतर फील्ड आवागमन को शारीरिक रूप से थका देने वाला और चिकित्सकीय रूप से असुरक्षित बना दिया है। यात्रा और डॉक्टर के दौरे के दौरान उच्च तापमान के लंबे समय तक संपर्क में रहने से निर्जलीकरण, छाती की थकावट, सीने में दर्द और अन्य स्वास्थ्य जटिलताओं का खतरा काफी बढ़ जाता है। इसके अलावा वैश्विक ईंधन तेल संकट के कारण पेट्रोल/डीजल की खपत को कम करने पर जोर दिया है।

महंगाई की मार से हर सेक्टर का बाजार प्रभावित

महंगाई का शादी-सीजन पर अटैक, धंधा मंदा, हजार करोड़ का कम होगा कारोबार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शादी-ब्याह के सीजन में इस बार राजधानी रायपुर के साथ प्रदेशभर में जमकर खरीदारी तो जरूर हो रही है, लेकिन इस बार का सीजन बीते साल के सीजन से कम रहेगा। एक तरफ जहां महंगाई की मार सोने-चांदी से लेकर कपड़ों पर भी पड़ी है, वहीं एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने के साथ ही इसको लेकर चल रही मारामारी के कारण शादियों में मेहमानों की संख्या कम होने के साथ खाने के आइटम भी कम हो गए हैं। ऐसे में इस बार हजार करोड़ का कारोबार कम होगा। सोने-चांदी के गहनों, कपड़ों, इलेक्ट्रॉनिक सामान के साथ बर्तन, फर्नीचर, कैटरिंग के साथ ही होटल, भवनों के किराए को मिलाकर सीजन में करीब दो हजार करोड़ का कारोबार होगा। अगर सामान्य समय रहता तो यह कारोबार तीन हजार करोड़ का हो जाता। अक्षय तृतीया से शादियों का बड़ा सीजन प्रारंभ हो गया है। इस सीजन का सबको इंतजार रहता है। इसी सीजन में बहुत शादियां होती हैं। शादियों के लिए हर वर्ग के लोग अपनी क्षमता के हिसाब से खरीदारी कर रहे हैं। महंगाई के कारण लोगों ने अपनी खरीदारी का तरीका बदला है और अपने बजट के हिसाब से ही सारे सामान ले रहे हैं।

हरिभूमि सरोकार

सोने की कीमत ज्यादा, खरीदी आधा

शादियों के लिए सोने और चांदी के गहनों की थोक में बिक्री होती है। सराफा कारोबारियों के मुताबिक, जुलाई तक के सीजन में 500 करोड़ से ज्यादा का कारोबार पूरे प्रदेश में होगा। यह कारोबार बीते साल से करीब तीन सौ करोड़ कम होगा। इस समय सोने और चांदी की कीमत आसमान पर चली गई है। सोना जहां एक लाख 62 हजार पांच सौ रुपए है, वहीं चांदी के दाम पौने तीन लाख हैं। दाम ज्यादा होने के कारण फर्क इतना है कि लोग अपने बजट के हिसाब से खरीदारी कर रहे हैं। रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू के मुताबिक, सोने की कीमत को देखते हुए अब लोग अपने बजट के हिसाब से खरीदारी कर रहे हैं। चांदी कारोबारी लक्ष्मीनारायण लाहोटी के मुताबिक, चांदी में भी अब लाइटवेट जेवर ज्यादा बिक रहे हैं।

होटल, भवन, टेंट, कैटरर्स की भी चांदी

शादियों के मुहूर्त के हिसाब से पहले से ही होटल, भवन सब बुक हो गए थे। टेंट और कैटरिंग कारोबारी जसपाल सिंह होरा के मुताबिक, पूरे सीजन में होटल, भवन, टेंट, कैटरिंग को मिलाकर करीब ढाई सौ करोड़ का कारोबार प्रदेश में होने की संभावना है। इस बार कारोबार बीते साल से थोड़ा कम होगा, क्योंकि गैस सिलेंडर की कमी के कारण लोग कम मेहमानों को बुला रहे हैं। इसी के साथ खाने के आइटम भी कम हो गए हैं। अगर पहले जैसी स्थिति रहती तो पांच सौ करोड़ से ज्यादा का कारोबार होता।

इलेक्ट्रॉनिक्स में महंगे आइटम का क्रेज

शादियों के लिए इलेक्ट्रॉनिक आइटम की भी जमकर खरीदारी हो रही है। लक्ष्मी इलेक्ट्रॉनिक्स के संचालक राजेश वासवानी के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स में महंगे आइटम का ज्यादा क्रेज है, चाहे इसमें मोबाइल की बात हो, एसी, फ्रिज या फिर एलईडी टीवी की बात हो। हालांकि लोग अपने बजट के हिसाब से खरीदारी करते हैं, लेकिन महंगे आइटम अब गांववाले भी खरीद रहे हैं। पूरे सीजन में चार सौ करोड़ से ज्यादा का कारोबार होने की संभावना है। कई आइटम्स के दाम बढ़ने के कारण करीब दो सौ करोड़ का कारोबार प्रभावित होगा।

500 करोड़ का कपड़ा बाजार

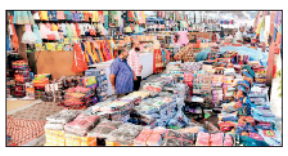

प्रदेश का सबसे बड़ा राजधानी रायपुर का पंडरी कपड़ा बाजार इस बार लगातार गुलजार है। यहां पर रोज प्रदेशभर से लोग खरीदारी करने लगातार आ रहे हैं। शादियों के लिए भी जमकर खरीदारी हो रही है, लेकिन कपड़ों के 20 फीसदी तक महंगे होने के कारण इस बार कारोबार कम होगा। पंडरी कपड़ा एसोसिएशन के चंदर विधानी के अनुसार, पूरे सीजन में करीब चार से पांच सौ करोड़ का कारोबार प्रदेशभर में होने की संभावना है। अगर दाम नहीं बढ़ते तो 800 करोड़ से ज्यादा का कारोबार होता।

फर्नीचर और बर्तनों का 300 करोड़ का कारोबार

शादियों के लिए फर्नीचर और बर्तनों की भी जमकर खरीदारी हो रही है। आज महंगे फर्नीचर का ज्यादा क्रेज चल रहा है। डिजाइनर फर्नीचरों की ज्यादा डिमांड है। पूरा का पूरा सेट डिजाइन करने का ऑर्डर भी दिया जा रहा है। कारोबारियों के मुताबिक, पूरे सीजन में प्रदेशभर में करीब तीन सौ करोड़ का कारोबार होने का अनुमान है।

सतनामी समाज का लगातार अपमान, तेलीबांधा थाने में कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ एफआईआर दर्ज करने दिया शिकायत पत्र

सतनामी समाज एवं गुरु घासीदास बाबा की विचारधारा के विरुद्ध सोशल मीडिया पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में रविवार को जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं सतनामी समाज के लोगों ने तेलीबांधा थाना पहुंचकर भाजपा कार्यकर्ता संजय शर्मा कबीर के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने हेतु शिकायत पत्र सौंपा।

भाजपा कार्यकर्ता संजय शर्मा कबीर द्वारा सोशल मीडिया पर लिखा गया कि जिनके भोजन की थाली में हर निर्दोष जीव की लाश है, वह हमसे पूछते हैं कि रामराज्य का सपना कब पूरा होगा? आजकल यही लोग नानक, तुलसी, कबीर, रैदास, गुरु घासीदास के भक्त भी हैं। कांग्रेस नेताओं ने उक्त टिप्पणी को सीधे तौर पर सतनामी समाज एवं गुरु घासीदास बाबा की विचारधारा का अपमान बताते हुए कहा, इससे समाज की धार्मिक एवं सामाजिक भावनाएं गहराई से आहत हुई हैं। भाजपा कार्यकर्ता द्वारा इस प्रकार की टिप्पणी सामाजिक वैमनस्य फैलाने एवं अनुसूचित जाति समाज को अपमानित करने का प्रयास है।

सतनामी समाज का लगातार अपमान : बंजारे

जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने कहा, भाजपा सरकार में लगातार सतनामी समाज को अपमानित करने की घटनाएं सामने आ रही हैं। पूर्व में आदेश सोनी द्वारा सतनामी समाज को "गाय काटने वाला समाज" कहकर अपमानित किया गया। इसी प्रकार आरंग के ग्राम गुढ़गुढ़ा में बालकुमार कुर्रे के साथ थाना परिसर में मारपीट एवं अपमान की घटना हुई, जिसमें आरएसएस के जिला कार्यालय प्रमुख विजय अग्रवाल सहित बजरंग दल से जुड़े लोगों पर भी अब तक कोई कठोर कार्रवाई नहीं हुई।

ये रहे मौजूद

तेलीबांधा थाने में प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज रायपुर शहर अध्यक्ष मोहन बंजारे, सुशील जांगड़े, कोमल सांभरकर, अरुण मीरि, तोमेश गायकवाड़, राजू चेलक, बिरगांव अध्यक्ष अनिल कोशले, गंगा बंजारे, अरूण कोशले, उमेश डंडे, उद्य गायकवाड़, नीरज बंजारे सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

भाजयुमो की कार्यकारिणी से ओवर एज पदाधिकारी बाहर नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी में आधा दर्जन से ज्यादा पदाधिकारी ओवर एज बनाए गए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने किसी भी हाल में अंडर-35 को ही पदाधिकारी बनाने का फरमान जारी किया है, इसके बाद भी ओवर एज को पदाधिकारी बना दिया गया है। ओवर एज पदाधिकारियों के बारे में बताया जा रहा है कि ये उम्र संबंधी गलत दस्तावेज देकर पदाधिकारी बन गए हैं। भाजयुमो के प्रदेशाध्यक्ष राहुल टिकरिहा इस मामले में कह चुके हैं कि शिकायत मिलने पर जांच में कुछ पदाधिकारी ओवर एज पाए गए हैं। जो भी ओवर एज पदाधिकारी हैं, उनको बाहर करने के लिए प्रदेश संगठन के सामने प्रस्ताव रखा जाएगा, वहां से जैसे दिशा निर्देश मिलेंगे, उसके हिसाब से फैसला होगा, लेकिन करीब छह माह बीत जाने के बाद भी

■ आधा दर्जन से ज्यादा को बनाया गया है प्रदेश पदाधिकारी

इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। ऐसे में यह मामला पिछली बार की तरह की खटाई में पड़ता नजर आ रहा है। भाजयुमो की प्रदेश कार्यकारिणी के साथ ही जिलाध्यक्षों को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय संगठन से मिले निर्देश के बाद भाजपा के प्रदेश संगठन ने स्पष्ट रूप से यह निर्देश जारी किया था कि भाजयुमो की प्रदेश कार्यकारिणी में 35 साल से ज्यादा और जिलाध्यक्ष 33 साल से ज्यादा के नहीं होने चाहिए। इस निर्देश के बाद भी प्रदेश कार्यकारिणी में करीब आठ पदाधिकारियों के ओवर एज होने की बात सामने आई है।

गर्मी के धान के दाम धड़ाम, दक्षिण अफ्रीका को निर्यात रुका तो खरीदी हो गई कम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में खरीफ सीजन का धान 31 सौ रुपए क्विंटल में बेचने वाले किसानों के लिए गर्मी के धान पर दांव लगाना महंगा सौदा साबित हो रहा है। दरअसल इस धान से उसना चावल बनाने के लिए मिलर खरीदी करते हैं और तैयार चावल दक्षिण अफ्रीका एक्सपोर्ट किया जाता है, लेकिन इस सीजन में हालात बदले हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका ने यहां का नान बासमती (उसना चावल) लेना बेहद कम कर दिया है। यही कारण है कि छत्तीसगढ़ से होने वाला चावल का निर्यात लगभग ठप हो गया है। इसी वजह से गर्मी के धान के रेट धड़ाम हो गए हैं। राज्य में रबी सीजन के धान को लेकर इस समय किसानों की सबसे बड़ी शिकायत कम दाम मिलने की है। खुले बाजार और कृषि उपज मंडियों में पिछले 15 दिनों के दौरान सामान्य (कॉमन) धान का औसत भाव अधिकांश जिलों की मंडियों जैसे रायपुर जिले में अभनपुर, नवापारा, आरंग, रायपुर सहित अन्य मैदानी जिलों, महासमुंद, दुर्ग, राजनांदगांव, बेमेतरा, बालोद की मंडियों में 1700 से 2200 रुपए प्रति क्विंटल के बीच रहा है, जबकि बेहतर किस्मों की कुछ जगह अधिक कीमत भी मिली।

छत्तीसगढ़ से उसना चावल का एक्सपोर्ट लगभग ठप

खास खबर

एक्सपोर्ट में कमी की वजह क्या

बताया गया है कि 2026 में कई अफ्रीकी देशों ने आयात घटाने और घरेलू उत्पादन बढ़ाने की नीति अपनाई है, जिससे मांग धीमी हुई। इसी वजह से छत्तीसगढ़ में मिलर्स गर्मी का धान खरीदने से बच रहे हैं, मंडियों में भाव दब गए हैं।

क्या कहते हैं मिलर्स

मिलिंग कारोबारी और पूर्व मंडी सदस्य विजय शर्मा के मुताबिक, दक्षिण अफ्रीका के कोटनू में छत्तीसगढ़ से 4-5 लाख मीट्रिक टन उसना चावल जाता था, लेकिन अफ्रीका में बनी नई सरकार ने आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है या कम कर दिया है। इस संबंध में प्रधानमंत्री को पत्र लिखा गया था, लेकिन कुछ नहीं हुआ। छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष योगेश अग्रवाल बताते हैं कि शिपमेंट की कमी और परिवहन भाड़ा बढ़ने के कारण यहां का चावल एक्सपोर्ट नहीं हो पा रहा है। इस हालत में मिलर धान खरीदकर क्या करेगा। इस वजह से रबी के धान की कीमत कम मिल रही है।

नीट आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नीट पेपर लीक मामले में आम आदमी पार्टी पार्टी ने तपती दोपहरी में आंबेडकर चौक में प्रदर्शन किया। पार्टी ने कलेक्टर के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा। आप नेताओं के कहा, यह देश के 22 लाख छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ का मामला है। यह पूरी तरह से राजनीतिक संरक्षण और बड़े स्तर पर की गई मिलीभगत का परिणाम है। उन्होंने सवाल उठाया, पिछले नीट पेपर लीक मामलों के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा क्यों नहीं दी गई है? ऐसे पेपर आमतौर पर लीक नहीं होते। इसका मतलब है कि इसमें बड़े पैमाने पर किसी तरह की मिलीभगत है। आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। 2017,2021, 2024 और अब 2026 में पेपर लीक होने से यह साबित होता है कि ऊपर स्तर पर सांठ-गांठ है।

■ आप ने कहा- छात्रों द्वारा आत्महत्या गंभीर, इस्तीफा दें केंद्रीय शिक्षा मंत्री

विनम्र श्रद्धांजलि

स्व. डॉ. शैलबाला जैस

अत्यंत दुख के साथ आपको सूचित करना पड़ रहा है कि डॉ. शैलबाला जैस (शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय में कार्यरत सहायक प्रोफेसर) स्व. प्रेमचंद जी जैस की सुपुत्री एवं श्री सी.बी.साहू की धर्मपत्नी का स्वर्गवास दिनांक 13.05.2026 दिन बुधवार को हो गया है. जिसके कार्यक्रम में आप सपरिवार उपस्थित होकर मृतात्मा को श्रद्धांजलि एवं दुखद परिवार को संबल प्रदान करें.

कार्यक्रम :
तेरहवीं एवं रामायण पाठ
25.05.2026, सोमवार 12 से 6 बजे तक
कार्यक्रम स्थान :
निज निवास इंदिरावती कालोनी
एल.आई.जी.-17, रायपुर, सी.बी. साहू निवास

शोकाकुल परिवार :
लिलाराम, दिनेश, यशवंत, विकास, हरीश, सुशील, निर्मल, कमलेश, निरज, भुपेश, रितेश, दिलीप, झलक, प्रभास, हर्ष एवं समस्त साहू परिवार मो. 96178 62317

विनीत :
सी. बी. साहू (पति)
गिरीश साहू (ज्येठ), सरजू साहू (बहनोई)
सरोज बाला जैस (बहन), मयंक जैस (पुत्र)
मृदुला जैस (पुत्री), प्रियंका साहू (भांजी)

नोट - जिस किसी स्नेहजनों को शोक संदेश नहीं मिला हो वे कृपया इसे ही माने

केंद्रीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल में शामिल हुए थौरानी, टोरंटो रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में कनाडा के टोरंटो के लिए आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल सदस्य के रूप में रविवार दोपहर रायपुर से रवाना हुए। कनाडा दौरे के दौरान चैंबर अध्यक्ष सतीश थौरानी वहां के प्रमुख उद्योगपतियों, निवेशकों और व्यापारिक संगठनों से मुलाकात करेंगे। साथ ही छत्तीसगढ़ को निवेश, उद्योग और नवाचार के उभरते केंद्र के रूप में प्रस्तुत करेंगे। दौरे पर रवाना होने के दौरान छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने कहा, यह केवल मेरा नहीं,

■ चैंबर के पदाधिकारियों ने अध्यक्ष सतीश थौरानी को दी बधाई

बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के व्यापारिक समुदाय के गौरव और सम्मान का क्षण है। हमारा प्रयास रहेगा कि कनाडा के उद्योगपतियों और निवेशकों के सामने छत्तीसगढ़ की औद्योगिक शक्ति, प्राकृतिक संसाधनों की समृद्धि और यहां के उपलब्ध अपार संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाए। श्री थौरानी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन ने देश के निवेश, उद्योग और आत्मनिर्भरता का एक नया वातावरण तैयार किया है। आज भारत विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था बनकर वैश्विक निवेशकों का विश्वास जीत रहा है। उसी दूरदर्शी सोच का परिणाम है कि छत्तीसगढ़ को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी औद्योगिक क्षमता प्रस्तुत करने का अवसर मिल रहा है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर चैंबर के कार्यकारी अध्यक्ष राधाकिशन सुंदरानी, जसप्रीत सिंह सलूजा, कार्यकारी महामंत्री कपिल दोषी, उपाध्यक्ष- लोकेश-चंद्रकांत जैन, दिलीप इसरानी, जितेंद्र शादीजा, राजेश गुरनानी, मनीष प्रजापति, अशोक क्षेतीजा, जितेंद्र बड़वानी, हरिराम तलरेजा, सुदेश मध्यान, अजय जयसिंघानी, मंत्री- भरत पमनानी, राहुल खूबचंदानी, पंकज चिजवानी, पंकज जैन, धनेश मटलानी, किशोर नारवानी, दौलत परयानी, सांस्कृतिक प्रभारी अनिल जोतसिंघानी, महिला चैंबर अध्यक्ष डॉ. ईला गुप्ता, कोषाध्यक्ष नम्रता अग्रवाल, सदस्य संतोष माखीजा, नारायण गिद्वानी सहित व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

// आम सूचना //
कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद, तहसील-मंदिर हसौद, जिला-रायपुर
जारी दिनांकः 15/05/2026
एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री अफजल अहमद पिता वकील अहमद निवासी रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम रीवा पटवारी हल्का नम्बर 18 राजस्व निरीक्षण मंडल- मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा नम्बर 693/25 रकबा 1.013 हेक्टेयर का सीमांकन तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 20/11/2025 के परिपालन में दिनांक 04/06/2026 को समय 01 बजे पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत है।
सीमांकन में जिस व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नम्बर 18 के रीवा में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षण कार्यालय मंदिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नहीं है।
राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

भीषण गर्मी में बिजली कर्मियों की सेवा और समर्पण को है सलाम

आरंग । जिस तरह हमारे सैनिक दिन-रात सीमा पर तैनात रहकर देश और लोगों की सुरक्षा करते हैं, उसी तरह बिजली विभाग के कर्मचारी और अधिकारी भी हर हाल में लोगों तक बिना रुकावट बिजली पहुंचाने के लिए लगातार मेहनत करते हैं। इनका काम सिर्फ नौकरी नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, सेवा और जोखिम से भरा हुआ एक महत्वपूर्ण दायित्व है। आम आदमी पार्टी के नेता एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य परमानंद जांगड़े ने विकासखंड आरंग के सभी बिजली विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए आम जनता से अपील की है कि वे इनका मनोबल बढ़ाएं और सम्मान करें। उन्होंने कहा कि ये कर्मी भी सैनिकों की तरह दिन-रात जनसेवा में लगे रहते हैं और अपनी जान जोखिम में डालकर कार्य करते हैं। भीषण गर्मी में जब तापमान 44 के पार पहुंच जाता है, तब जहां आम नागरिक घरों में पंखे, कूलर और एसी के सहारे राहत पाते हैं, वहीं बिजली कर्मी तपती सड़कों पर, जलते ट्रांसफॉर्मरों के बीच और ऊंचे खंभों पर चढ़कर बिजली व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में जुटे रहते हैं।

वर्ष 1946 का स्तलिखित पत्र और भजन माला मिला

आरंग। ऐतिहासिक और प्राचीन नगरी आरंग में अतीत के पन्नों से पुरानी पांडुलिपियां मिलने का सिलसिला जारी है। भारत सरकार के 'ज्ञानभारतम मिशन' के तहत आरंग में पिछले कुछ समय से 75 से 100 वर्ष से भी अधिक पुरानी हस्तलिखित पांडुलिपियां व पोथियां प्राप्त हो रही हैं। इसी कड़ी में रविवार को आरंग के अग्रवाल पारा निवासी दाऊ रविंद्र अग्रवाल, माता-पिता (स्व. नारायण लाल अग्रवाल एवं स्व. कांता देवी अग्रवाला) के निवास से 1946 के हस्तलिखित पत्र व भजन माला एवं वर्ष 1928 से 1930 के कालखंड की पोथियां भी मिली हैं, जो आदित्य हृदय स्तोत्र व बागवानी से संबंधित हैं। वहीं श्री अग्रवाल ने अपने परिसर में स्थित लगभग 200 वर्ष पुराने ऐतिहासिक कुएं और तुलसी चौरे होने की महत्वपूर्ण जानकारी भी सर्वेक्षण टीम के साथ साझा की, जो उस समय की क्षेत्र की प्राचीन जीवनशैली और संस्कृति को दर्शाती है। गौरतलब है कि आरंग क्षेत्र में यह गौरवशाली अभियान कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ कुमार विश्वरंजन के कुशल मार्गदर्शन में सुचारू रूप से चलाया जा रहा है। उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन में सर्वे टीम से शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल, प्रधान पाठक अरविंद कुमार वैष्णव, शिक्षिका शीला गुरु गोस्वामी व नोडल अजय ध्रुव नगर व क्षेत्र की दुर्लभ पोथियों व हस्तलिखित पांडुलिपियों को सहेजने का कार्य कर रहे हैं। इन महत्वपूर्ण पोथियों व हस्तलिखित पांडुलिपियों की जानकारी विशेष रूप से रविन्द्र अग्रवाल, मालिनी अग्रवाल, रिया अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, ओम अग्रवाल ने दी।

चहकती पहल अभियान ने पशु प्रेम और प्रकृति सेवा का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा-नेवरा

पहुना सेतु वेलफेयर फाउंडेशन के कार्यक्रम में 63 प्रतिभागियों ने दिखाई इंसानियत

आज के आधुनिक दौर में जहां लोग मोबाइल और सोशल मीडिया की दुनिया में उलझते जा रहे हैं, वहीं पहुना सेतु वेलफेयर फाउंडेशन ने एक ऐसी अनोखी पहल कर पूरे क्षेत्र में संवेदनशीलता, सेवा और इंसानियत की नई मिसाल पेश की है। फाउंडेशन द्वारा आयोजित "चहकती पहल अभियान" का भव्य समापन रविवार को किया गया।

15 मई से 20 मई तक चले इस अभियान में कुल 63 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। फाउंडेशन का यह पहला प्रयास था, लेकिन लोगों की सहभागिता और भावनात्मक जुड़ाव ने इसे एक बड़े सामाजिक आंदोलन का रूप दे दिया। अभियान के दौरान बच्चों, युवाओं, महिलाओं और परिवारों ने पशु-पक्षियों एवं प्रकृति के प्रति अपने प्रेम को अनोखे तरीके से प्रस्तुत किया। किसी ने पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की, तो किसी ने भीषण गर्मी में मूक जीवों के लिए पानी के पात्र रखे। वहीं कई प्रतिभागियों ने पौधारोपण और गौसेवा कर समाज को संवेदनशील संदेश दिया। प्रतिभागियों द्वारा भेजे गए फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर भी काफी सराहे गए।कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि यह केवल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लोगों के दिलों को जोड़ने का माध्यम बन गया। कई प्रतिभागियों ने कहा कि पहली बार किसी ऐसे अभियान में भाग लेने का अवसर मिला, जहां सेवा के साथ भावनात्मक जुड़ाव भी महसूस हुआ। समापन समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम एवं द्वितीय स्थान के लिए नगद पुरस्कार, सम्मान एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके सेवा भाव की सराहना की गई।कार्यक्रम में सोनू शर्मा, डोमर साहू, दुर्गा साहू, रोहिणी, हीना, गुंजन वर्मा, आकाश वर्मा, चिंटू एवं मुस्कान विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पहल की जमकर सराहना

फाउंडेशन के सदस्यों ने बताया कि "चहकती पहल अभियान" का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि समाज को यह संदेश देना था कि यदि हर व्यक्ति अपने आसपास के पशु-पक्षियों और प्रकृति के लिए छोटा-सा कदम भी उठाए, तो बड़ा बदलाव संभव है। कार्यक्रम के अंत में लोगों ने फाउंडेशन की इस पहल की जमकर सराहना की और भविष्य में भी इसे और बड़े स्तर पर आयोजित करने की मांग की।

कार्रवाई : लाखों के जेवर और फर्जी खातों का हुआ सनसनीखेज खुलासा

आईडीबीआई बैंक गबन मामले में महिला आरोपी धमतरी से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

रायपुर जिले के धरसींवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत चरौदा स्थित आईडीबीआई (IDBI) बैंक शाखा में हुए करोड़ों रुपये के बहुचर्चित फर्जीवाड़ा मामले में पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। थाना प्रभारी राजेंद्र दीवान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तकनीकी सर्विलांस और पुख्ता सूचना के आधार पर घेराबंदी कर मामले की पांचवीं आरोपी शैलेंद्री निषाद को धमतरी जिले में स्थित उसके मायके से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार महिला इस पूरे घोटाले के मुख्य मास्टरमाइंड राजा खूंटे की प्रेमिका है जो लंबे समय से अपने मोबाइल फोन को पूरी तरह बंद कर और रायपुर स्थित निवास को छोड़कर फरार चल रही थी। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471 और 120 (बी) भा.द.वि. के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल रायपुर भेज दिया है।

- आईडीबीआई में 1.53 करोड़ का गबन, पांचवीं आरोपी शैलेंद्री से मणप्पुरम फाइनेंस में गिरवी रखे जेवरों की रसीद भी जब्त

काली कमाई को ठिकाने लगाने प्रेमिका खाते का किया इस्तेमाल : पुलिस की तफ्तीश में इस बात का सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि मुख्य आरोपी राजा खूंटे ने ग्राहकों से की ठगी की काली कमाई को ठिकाने लगाने के लिए अपनी प्रेमिका शैलेंद्री निषाद के बैंक खाते का जमकर इस्तेमाल किया था। दरअसल, ग्राम मोहेरा (धमतरी) की रहने वाली एम.ए. पास शैलेंद्री पहले रायपुर के एक टावर में टेली कॉलिंग का काम करती थी, जहां उसकी मुलाकात राजा खूंटे के ड्राइवर अमृत घृतलहरे से हुई। योजना के तहत अमृत ने शैलेंद्री को राजा खूंटे की धनेली स्थित किराना दुकान संभालने का लालच दिया और दस हजार रुपये प्रति माह वेतन का वादा किया। काम शुरू करने के बहाने राजा खूंटे ने शैलेंद्री और उसके पति के महत्वपूर्ण पहचान दस्तावेज अपने पास रख लिए और उनके नाम पर चरोदा स्थित आईडीबीआई बैंक में खाता खुलवा दिया। इस खाते का पूरा नियंत्रण और पासबुक राजा खूंटे खुद संभालता था और इसी के जरिए करोड़ों रुपये का संदिग्ध वित्तीय लेनदेन किया जा रहा था।

प्रेमिका के जेवर को आरोपी ने फाइनेंस कंपनी में गिरवी रखा : इस जालसाजी को छिपाने और प्रेमिका को खुश रखने के लिए राजा खूंटे ने उसे करीब 22.300 ग्राम वजन के सोने के महंगे जेवर खरीदकर दिए थे। हालांकि, शातिर ठग ने अपनी प्रेमिका को भी धोखा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने बाद में पैसों की सख्त जरूरत होने का हवाला देकर वे सारे जेवर वापस ले लिए और फरवरी 2026 में भानपुरी स्थित मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड में उन्हें गिरवी रखकर दो लाख नौ हजार रुपये का लोन निकाल लिया। पुलिस ने इस मामले से जुड़ी फाइनेंस कंपनी की रसीद भी विधिवत जब्त कर ली है।

ठगी की काली कमाई खपाने के लिए खोले थे बैंक खाता

महिला आरोपी को जेल भेजा गया

इस हाईप्रोफाइल फर्जीवाड़ा मामले में तकनीकी सर्विलांस और सटीक सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने पांचवीं आरोपी शैलेंद्री निषाद को धमतरी से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मुख्य आरोपी ने ठगी की राशि को ठिकाने लगाने के लिए इसके बैंक खाते का इस्तेमाल किया था। मामले से जुड़े वित्तीय लेन-देन और मणप्पुरम फाइनेंस में गिरवी रखे गए जेवरों की रसीद भी विधिवत जब्त कर ली गई है। आरोपी महिला को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है और इस गिरोह के अन्य वित्तीय संपर्कों की तफ्तीश जारी है।

फर्जी रसीदें थमाकर ठगी, गिरोह का हुआ पर्दाफाश

गौरतलब है कि यह पूरा विवाद चरौदा स्थित आईडीबीआई बैंक में हुए करीब 1.53 करोड़ रुपये के गबन से जुड़ा हुआ है। बैंक में आउटसोर्सिंग पर काम करने वाले इन कर्मचारियों ने इलाके के 22 भोले-भाले ग्रामीण खाताधारकों को एफडी, म्यूचुअल फंड और एसआईपी में फिक्स और ऊंचे रिटर्न का झांसा दिया था। इसके बाद आरोपियों ने एक स्थानीय प्रिंटिंग प्रेस से फर्जी रसीदें छपवाईं और उन्हें असली बताकर ग्राहकों को सौंप दिया, जबकि पूरी रकम अपने निजी खातों में पार कर दी। जब ग्रामीणों को अपनी गाढ़ी कमाई डूबने का अहसास हुआ, तो बैंक परिसर में भारी बवाल मच गया था और पीड़ितों ने तालाबंदी कर आमरण अनशन की चेतावनी दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुंबई मुख्यालय के निर्देश पर पुणे से आई स्पेशल ऑडिट टीम ने भी जांच शुरू की थी। इस हाईप्रोफाइल मामले में पुलिस सरगना राजा खूंटे समेत चार आरोपियों को पहले ही जेल भेज चुकी है और पांचवीं गिरफ्तारी के बाद अब इस गिरोह द्वारा किए गए अन्य वित्तीय घोटालों के सुराग तलाशे जा रहे हैं।

सप्त दिनी रामचरितमानस महायज्ञ का दिव्य शुभारंभ

आरंग। धर्म की पावन नगरी आरंग में पावन पुरुषोत्तम मास के शुभ अवसर पर भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के श्रीविग्रह स्वरूप सप्त दिवसीय श्री रामचरितमानस महायज्ञ का दिव्य एवं वैदिक परंपरा अनुसार शुभारंभ हुआ। वेदों में श्रीराम को "रामो विग्रहवान धर्मः" अर्थात साक्षात मूर्तिमान धर्म कहा गया है। ऐसे पावन अवसर पर आयोजित यह महायज्ञ सम्पूर्ण क्षेत्र के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा एवं धर्म चेतना का केंद्र बन गया है। महायज्ञ के शुभारंभ अवसर पर सर्वप्रथम प्रायश्चित्त कर्म, महाविष्णु पूजन, पंचांग पूजन, आचार्यादि ब्राह्मण वरण एवं आरंग के आराध्य श्री बागेश्वर नाथ महादेव का वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य दिव्य दुग्धाभिषेक संपन्न हुआ। तत्पश्चात 23 मई को भव्य जलयात्रा एवं कलश यात्रा विधिवत सम्पन्न हुई, जिसमें मातृशक्ति, विप्रवृंद एवं सर्व सनातनी समाज ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। जलयात्रा उपरांत मंडप प्रवेश, मंगलाष्टक एवं वेदध्वनि के साथ यज्ञशाला में प्रवेश कराया गया। 24 मई को श्री गणेश पूजन, वेदी मंडल पूजन, षोडश स्तंभ पूजन के पश्चात वैदिक परंपरा अनुसार अरणि मंथन द्वारा अग्नि प्रकट कर विधिवत यज्ञारंभ किया गया। इस महायज्ञ के प्रधान आचार्य पं. नरेन्द्र द्विवेदी के नेतृत्व में समस्त वैदिक आचार्यगण एवं विद्वतजनों द्वारा अनुष्ठान संपन्न कराया जा रहा है। यह महायज्ञ 23 से 30 मई तक श्री बागेश्वर नाथ महादेव मंदिर प्रांगण, आरंग में आयोजित होगा। आयोजन समिति ने समस्त धर्मप्रेमी सनातनी बंधुओं से सपरिवार उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है। तत्पश्चात 23 मई को भव्य जलयात्रा एवं कलश शोभायात्रा विधिवत सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 450 से अधिक मातृशक्ति ने श्रद्धा एवं भक्तिभाव से कलश धारण कर सहभागिता निभाई। शोभायात्रा में विप्रवृंद, आचार्यगण, धर्मध्वज, भजन मंडली एवं अपार जनसमूह ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर सम्पूर्ण आरंग नगर को श्रीराममय बना दिया। जयघोष, वैदिक मंत्रोच्चार एवं धर्मध्वजा के साथ नगर भ्रमण करते हुए यह दिव्य शोभायात्रा श्रद्धा, आस्था एवं सनातन संस्कृति का अनुपम उदाहरण बनी।

पालिका का संपत्तिकर निर्धारण शिविर शीघ्र, स्वनिर्धारण प्रपत्र भरना अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा-नेवरा

नगर पालिका परिषद तिल्दा-नेवरा द्वारा नगर क्षेत्र में संपत्तिकर निर्धारण एवं अभिलेख अद्यतन का कार्य शुरू कर दिया गया है। इसके तहत नगर के सभी भवन स्वामियों एवं कब्जाधारियों को अपने भवन का स्वनिर्धारण प्रपत्र भरकर जमा करना अनिवार्य किया गया है। इस कार्य को व्यवस्थित रूप से पूरा करने के लिए नगर पालिका द्वारा विभिन्न वार्डों और कॉलोनियों में संपत्तिकर निर्धारण शिविर लगाए जाएंगे।

नगर पालिका प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रत्येक भवन स्वामी को निर्धारित तिथि और स्थान पर आयोजित शिविर में उपस्थित होकर अपने भवन का संपत्तिकर निर्धारण कार्य पूर्ण कराना होगा। शिविर में नागरिकों को पूर्ण रूप से भरा हुआ स्वनिर्धारण प्रपत्र, भवन अथवा प्लॉट से संबंधित दस्तावेज जैसे रजिस्ट्री या पट्टा, पूर्व संपत्तिकर रसीद (यदि उपलब्ध हो), आधार कार्ड की छायाप्रति, मोबाइल नंबर तथा भवन के उपयोग की जानकारी साथ लानी होगी। इसमें यह बताना आवश्यक होगा कि भवन आवासीय है या व्यावसायिक उपयोग में है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि नगर के सुव्यवस्थित विकास तथा राजस्व अभिलेखों को दुरुस्त करने के उद्देश्य से यह

प्रक्रिया शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि यदि कोई भवन स्वामी निर्धारित अवधि में स्वनिर्धारण प्रपत्र प्रस्तुत नहीं करता है या शिविर में उपस्थित होकर जानकारी उपलब्ध नहीं कराता है, तो नगर पालिका परिषद उपलब्ध अभिलेखों एवं स्थल निरीक्षण के आधार पर नियमानुसार एकपक्षीय संपत्तिकर निर्धारण करेगी।

ऐसी स्थिति में होने वाली असुविधा की संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित भवन स्वामी की होगी। नगर पालिका परिषद ने नगरवासियों से अपील की है कि वे इस कार्य में सहयोग करें ताकि संपत्तिकर निर्धारण का कार्य समयबद्ध एवं व्यवस्थित ढंग से पूरा किया जा सके। पार्षद रानी सौरभ जैन ने बताया शिविर की तिथि एवं स्थान की जानकारी वार्डवार अलग से जारी की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए नागरिक नगर पालिका कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

ट्रक चालकों से लूट के 6 आरोपी गिरफ्तार

तिल्दा-नेवरा। थाना क्षेत्र में ट्रक चालकों से लूटपाट, मारपीट और संभव स्टील एंड ट्यूब लिमिटेड की कैंटीन में तोड़फोड़ करने वाले 6 आरोपियों को तिल्दा-नेवरा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपियों ने कंपनी परिसर में घुसकर कर्मचारियों के साथ रॉड से मारपीट की और दहशत फैलाने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, काले रंग की कार और मोटरसाइकिल में पहुंचे आरोपियों ने सरोरा स्थित संभव स्टील एंड ट्यूब लिमिटेड में अनाधिकृत प्रवेश किया। यहां लेबर कॉलोनी और कैंटीन कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज करते हुए रॉड से हमला किया गया। कैंटीन काउंटर में जमकर तोड़फोड़ की गई। घटना के दौरान मुख्य आरोपी जयमोहन शर्मा उर्फ लक्की शर्मा ने खुद की पहचान बताते हुए कैंटीन संचालन के एवज में हर महीने अवैध रकम और शराब पीने के लिए पैसों की मांग की। कर्मचारियों द्वारा विरोध करने पर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की।

इसके बाद देर रात सरोरा रोड स्थित निर्माणाधीन पुलिया के पास आरोपियों ने ट्रक क्रमांक CG 04 PG 9775 और CG 04 PG 0380 को ओवरटेक कर रोक लिया। ट्रक चालकों के साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। बदमाशों ने ट्रकों के शीशे तोड़ दिए और

ट्रक में रखा करीब 30 लीटर डीजल तथा चालक के पास रखे 25,500 नगद लूटकर फरार हो गए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रायपुर श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्रशांत शुक्ला एवं एसडीओपी वीरेंद्र चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी तिल्दा-नेवरा निरीक्षक रमाकांत तिवारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी जयमोहन शर्मा उर्फ लक्की शर्मा समेत कुल 6 आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से लूटा गया 30 लीटर डीजल और 12 हजार नगद बरामद किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों में — लक्की उर्फ जयमोहन शर्मा,दिना उर्फ दिनेश ,विशाल छबलानी,दीपक साहू, मोहित उर्फ मोंटी मेहानी,नोहर सिंह रजक उर्फ बट्टी - शामिल हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

पेज 11 के शेष...

चिलचिलाती धूप में ...

आवाजाही हो रही है। बाजार में सबसे ज्यादा पिक टाइम शाम 6 से रात 9 बजे के बीच रहता है। जिन्हें एकदम जरूरी काम है, वही दिन के समय निकल रहे हैं। इनमें कारोबारी से लेकर ऑफिस कार्य से जुड़े लोग शामिल हैं। कारोबारी तथा ऑफिस कार्य से जुड़े लोग दोपहर में लंच करने घर जाने के बजाया अपने कार्यालय परिसर में ही लंच बॉक्स लेकर आते हैं। इसलिए दोपहर 2 से शाम 4 बजे के बीच व्यस्त मार्गों पर गिनती के लोग ही दिखते हैं।

गर्म हवा से ....

काफी है। रविवार को माना और रायपुर के तापमान में एक डिग्री का अंतर रहा। वहां खुला इलाका होने की वजह से गर्म हवाओं का ज्यादा अहसास होता रहा, वहीं शहर के भीतर भी गर्मी ने अपना असर दिखाने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी। छुट्टी का दिन होने की वजह से लोगों ने शहर में घूमने के बजाय घर में कूलर-पंखे के नीचे अपना समय बिताना ज्यादा उचित समझा। राजधानी के तापमान में अभी कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना कम है। राज्य के कई इलाकों में ग्रीष्मलहर का प्रभाव बने रहने का अनुमान है। रायपुर में बारिश की गतिविधि मई के अंतिम दिनों और जून की शुरुआत में होने की संभावना है।

एयरपोर्ट के करीब ...

कि इसके पूर्व भी एरोसिटी बनाने जमीन अधिग्रहण के लिए निजी जमीनों की सूची जारी की गई थी, उसमें राधास्वामी नगर की अधिकांश जमीन आने के बाद आपत्ति आई थी। उनकी जमीनों को इस प्लान से अलग किए जाने के बाद नए सिरे से जमीनों को चिन्हांकित किया गया है। जिन निजी भू-स्वामियों की जमीनें इसमें आई हैं, उन्हें एनआरडीए विकसित करेगा। मंजूरी के बाद लैंड यूज बदलने की प्रक्रिया शुरू होगी। नगर विकास योजना में नवा रायपुर लेयर-3 के तहत निजी भू-स्वामियों की कुल जमीन का 43 प्रतिशत विकसित प्लाट उन्हें दिया जाएगा। शेष जमीन का उपयोग एनआरडीए एरोसिटी प्लान के लिए करेगा। जमीन अधिग्रहण पूर्ण करने के बाद दो साल से अटके इस प्लान पर शीघ्र काम शुरू होगा। विस्तारित प्लान किसानों की आपत्तियों और मांग को देखते हुए अब इसे करीब 600 एकड़ में विकसित करने का नया विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया गया है। जारी अधिसूचना में कहा गया है कि भूखंडों की अंतिम सूची के आधार पर आवंटन किया जाएगा।

बसाहट बढ़ाने नियमों...

निवेश अधिनियम और नवा रायपुर अटल नगर विकास योजना-2031 में आवश्यक संशोधन किया गया है।

प्रॉपर्टी टैक्स भुगतान ...

वहीं निगम प्रशासन का कहना है, यूजर चार्ज और संपत्ति आधारित डाटा का अपग्रेडेशन किया जा रहा है, यह प्रक्रिया पूरी होते ही ऑनलाइन टैक्स भुगतान की सुविधा फिर से शुरू कर दी जाएगी। दरअसल, एनआईसी द्वारा प्रॉपर्टी टैक्स के ऑनलाइन सिस्टम वाले सर्वर में नए वित्तीय वर्ष, संशोधित यूजर चार्ज और संपत्ति आधारित डॉटा को अपडेट किया जा रहा है। इस तकनीकी प्रक्रिया के कारण विगम 24 दिनों से करदाता अपने बकाया संपत्ति कर का ऑनलाइन भुगतान नहीं कर पा रहे हैं। नगर निगम के आईटी शाखा के मुताबिक, पूरे प्रदेशभर में यह अपग्रेडेशन का कार्य किया जा रहा है। रायपुर नगर निगम ने ऑनलाइन प्रापर्टी टैक्स सिस्टम को अपग्रेड करने का कार्य पूरा कर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के पास एप्रूवल के लिए भेजा है। एप्रूवल मिलते ही यह सुविधा दोबारा शुरू कर दी जाएगी।

भगवान की अमृतवाणी भ्रष्ट बुद्धि होने पर समझ नहीं आती : सोनम दीदी

गीता सार, सहस्त्रधारा व कपिला तर्पण के साथ भागवत कथा की पूर्णाहुति

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा-नेवरा

तिल्दा नेवरा के केवट पारा में आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का शनिवार को गीता सार, गीता हवन, सहस्त्रधारा, कपिला तर्पण और हवन यज्ञ के बाद समापन हुआ। इसमें बड़ी संख्या में भक्तगण शामिल हुए।

कथा के अंतिम दिवस रविवार को कथा वाचक दीदी सोनम तिवारी ने कथा वाचक दीदी सोनम तिवारी ने गीता की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने युद्ध के पहले दुर्योधन और भगवान कृष्ण के संवाद का उदाहरण देते हुए कहा कि जब बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है, तो भगवान की बातें भी समझ में नहीं आतीं। दुर्योधन ने साफ कहा था कि उन्हें मालूम है कि धर्म क्या है, लेकिन वह धर्म की राह में चलना नहीं चाहते। जब भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी सेना और स्वयं में से किसी एक को चुनने का मौका दुर्योधन और अर्जुन को दिया, तो दुर्योधन ने तपाक से सेना को लेना स्वीकारा, जबकि अर्जुन ने कहा कि

जिसके साथ प्रभु होंगे उसे किसी सेना की जरूरत नहीं पड़ेगी।

गीता सार के18 अध्याय के बारे में बताते दीदी ने हुए कहा कि सांसारिक मोह,माया के कारण मनुष्य अपने कर्तव्य से विमुख हो जाता है लेकिन मनुष्य को कर्तव्य का पालन करना चाहिए। शरीर नाशवान है लेकिन आत्मा अमर है। निष्काम काम से भाव पूर्वक काम केवल दूसरों के लिए काम करना चाहिए, इससे मनुष्य का कल्याण होता है उन्होंने कहा निःस्वार्थ भाव से मनुष्य को कर्म करना चाहिए। मनुष्य को अनुकूल परिस्थितियों में जीवन जीना चाहिए, क्योंकि सुख और दुख आते रहते हैं। सबके शरीर में भगवान का दर्शन करना चाहिए अर्थात सबमें भगवान है। श्रीमद्भागवत महापुराण कोई अछूता नहीं है।

उन्होंने बताया गया कि मरने के समय मनुष्य जो भाव सुमरन करेगा, उसी भाव को प्राप्त करेगा। सभी मनुष्य भागवत प्राप्ति के अधिकारी हैं। दसवें अध्याय में बताया गया कि संसार में जहां सुंदरता विलक्षणता दिखे, उसको भगवान का स्वरूप मानकर स्वीकार करना चाहिए। जगत को भगवान का स्वरूप मानना है। जो व्यक्ति शरीर इंद्रिय, मन,बुद्धि भगवान को अर्पण कर देता है, वही भगवान को प्रिय होता है उन्होंने बताया गया कि संसार में परमात्मा को जो जान लेता है वह भव रूपी बंधन से छूट जाता है।दीदी कहा सत, रज, तम गुणों से विलुप्त होने जाने पर व्यक्ति परमात्मा को प्राप्त कर लेता है। संसार का मूल आधार परम पूज्य परमात्मा है उसका भजन करना चाहिए। दुर्गुण और दुराचार करने वाले से मनुष्य 84 लाख योनियों में भटकता है इसलिए अधर्म और पाप के रास्ते पर नहीं चलना चाहिए। श्रद्धा पूर्वक जो भी कार्य करें सब भगवान को समर्पित करना चाहिए। गीता का सार ही भगवान है। गीता दान करने के बाद हवन यज्ञ हुआ और महाप्रसाद का वितरित किया गया।श्रीमद् भागवत कथा का गीता पाठ, हवन-पूजन के साथ समापन हुआ।

दीदी ने कहा सनातन धर्म में गूढ़ रहस्यों का खजाना छुपा हुआ है, जिसे विदेशी शोध के माध्यम से समझ रहे हैं। पूजा के समय शंख और घंटी के बजाने पर भी शोध हो रहा है और पाया गया कि जहां पर भी शंख नाद होता है, वहां पर नकारात्मक विचारों से मुक्ति मिल जाती है। समापन अवसर पर कथा का रसपान करने बड़ी संख्या में श्रोता पहुंचे।शत्रुघ्न ,निर्मला ,यादव द्वारा केवट पारा भक्तगणों के सहयोग से आयोजित भागवत कथा में 8 दिनों तक श्रोताओं का मेला लगा रहा, गौरी शंकर ,यादव शिव शंकर यादव. सुमन, मंजू, सीमा, गौरी निषाद. अहिल्या गीता गायत्री वर्मा गीता वर्मा .हेमिन कला लय यादव रूपनारायण, सोनू ,ओम प्रकाश ,पूजा सहित मोहल्ले वासियों का विशेष सहयोग रहा हवन यज्ञके बाद प्रसाद वितरण किया गया।

खबर संक्षेप

माउंट एवरेस्ट विजेता अमिता के स्वास्थ्य लाभ के लिए राज्य सरकार सजग

रायपुर। प्रदेश के जांजगीर-चांपा जिले की होनहार पर्वतारोही अमिता श्रीवास के संबंध में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट में कहा है कि समिट के बाद बेस कैंप लौटने के दौरान अत्यधिक ऊंचाई, शून्य से लगभग 40 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान और ऑक्सीजन की कमी के कारण अमिता श्रीवास की तबीयत बिगड़ने की जानकारी मिली है। उन्हें हेलीकॉप्टर के माध्यम से रेस्क्यू कर काठमांडू स्थित नॉर्विक इंटरनेशनल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उन्हें गंभीर फ्रॉस्टबाइट एवं हाई एल्टीट्यूड संबंधी स्वास्थ्य समस्याएं हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जानकारी मिलते ही राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक समन्वय स्थापित कर हरसंभव सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अमिता श्रीवास और उनके परिवार के साथ खड़ी है तथा उनके बेहतर उपचार के लिए निरंतर संपर्क और सहयोग सुनिश्चित किया जा रहा है।

बंजारे को मिली पीएचडी की उपाधि

रायपुर। कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा शासकीय हाईस्कूल कुशालपुर में कार्यरत व्याख्याता छन्नूलाल बंजारे को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उनका शोध का विषय 'उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों में आत्म-जागरूकता, आत्मसम्मान और दृढ़ता पर अध्ययन था। उनके इस शोधकार्य को शिक्षा के क्षेत्र में बेहद महत्वपूर्ण और प्रासंगिक माना गया है, जो स्कूली छात्रों के मानसिक व सामाजिक विकास में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने अपना शोधकार्य शिक्षाविद डॉ. सथलाल सिंह के कुशल मार्गदर्शन में पूर्ण किया।

ओपन स्कूल के लिए आवेदन 30 जून तक

रायपुर। हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी मुख्य तथा अवसर परीक्षा अगस्त-सितंबर के लिए आवेदन प्रारंभ हो गए हैं। सामान्य शुल्क के साथ प्रवेश तिथि 25 मई से 30 जून तक निर्धारित की गई है। वहीं विलंब शुल्क के साथ 3 जुलाई से 8 जुलाई तक आवेदन किए जा सकेंगे। विलंब शुल्क 500 रुपए निर्धारित किया गया है। विद्यार्थी प्रवेश सबंधित अधिक जानकारी के लिए अपने समीपस्थ अध्ययन केन्द्र में संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश के लिए आवेदन फार्म आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड कर अपने समीपस्थ अध्ययन केंद्र में जमा कर सकते हैं। छात्र वेबसाइट में पोर्टल के माध्यम से भी ऑनलाइन प्रवेश आवेदन फार्म भर सकते हैं।

राष्ट्रपति के नाम छत्तीसगढ़ के राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। जिला जशपुर के पत्थलगांव क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बटूराबहार (हर्रापारा), पोस्ट घरजियांबथान में डोम जाति के लोगों को सार्वजनिक बोर से पानी लेने से रोकने एवं जातिसूचक अपमान किए जाने के मामले को लेकर शनिवार को सामाजिक न्याय अधिकार कार्यकर्ताओं एवं अधिवक्ताओं ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के नाम छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रामेन डेका को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर सामाजिक न्याय अधिकार कार्यकर्ता अधिवक्ता भगवानू नायक ने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा पीड़ित परिवारों को सुरक्षा एवं सार्वजनिक जलस्त्रोतों के उपयोग का अधिकार तत्काल उपलब्ध कराया जाए। अधिवक्ता श्री नायक ने कहा, पीने का पानी प्रत्येक नागरिक का मूलभूत एवं संवैधानिक अधिकार है। देश का संविधान सभी नागरिकों को समानता, सम्मान एवं गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार प्रदान करता है। इसके बावजूद यदि किसी समाज विशेष के लोगों को जाति के आधार पर सार्वजनिक बोर से पानी लेने से रोका जाता है तो यह संविधान की मूल भावना एवं मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन है।

बीमारी की टेंशन के साथ गर्मी की मार... 44 डिग्री तापमान में बरामदा, शेड ही मरीजों का सहारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सरकारी अस्पताल में बीमारी के इलाज की टेंशन, ऊपर से 44 डिग्री गर्मी से मरीज और उनके परिजन हलाकान हो रहे हैं। आंबेडकर अस्पताल और डीके हास्पिटल पहुंचने वाले मरीज और उनके परिजनों को लिए पर्याप्त ठिकाना न होने से उन्हें बरामदा अथवा शेड के नीचे रहकर वक्त गुजारना होता है। दोनों अस्पतालों में इनके लिए अस्थायी आवास बनाने की योजना तो थी, मगर फंड के अभाव में इस पर काम ही शुरू नहीं हो पाया।

दोनों अस्पतालों में रोजाना करीब तीन हजार मरीज चिकित्सकीय सलाह के लिए आते हैं। इनमें से करीब हजार लोगों को अपने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है और उनसे दोगुने अटेंडर अस्पताल में रह जाते हैं। भारी गर्मी के बीच दिन में अस्पताल परिसर में इधर-उधर घूमकर अथवा बरामदे और शेड के नीचे बैठकर समय गुजारना उनकी मजबूरी होती है। इसकी मुख्य वजह अस्पतालों में इन अटेंडरों अथवा जांच के दौरान अस्पताल के आसपार रुकने वाले मरीजों के अस्थायी ठिकाने की व्यवस्था नहीं है। शासन स्तर पर इसके लिए कई बार योजना तो बनाई गई, मगर फंड के अभाव में इस पर काम ही शुरू नहीं हो पाया।

आंबेडकर अस्पताल में सुविधायुक्त भवन नहीं होने की वजह से मरीजों और उनके देखरेख करने वालों को वार्ड के बाहर बरामदे में बैठकर दिन गुजारना पड़ता है। दोपहर के दौरान वहां गर्म हवा के लू थपेड़े सहने पड़ते हैं, वहीं डीके अस्पताल के मरीजों और अटेंडरों के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं होने के कारण आधे से ज्यादा लोगों को शेड में बैठकर वक्त गुजारना पड़ता है।

आंबेडकर अस्पतालऔर डीके हास्पिटल पहुंचने वाले मरीज हलाकान

फंड के अभाव में योजनाओं से आगे नहीं बढ़ पाया अस्थायी ठिकाना

भवन तो एम्स में भी नहीं

आने वाले मरीजों और अटेंडरों की सुध तो एम्स प्रबंधन भी नहीं ले रहा है। इलाज के लिए भर्ती मरीजों के परिजन अथवा जांच और रिपोर्ट का इंतजार करने वाले मरीजों को संस्थान के बाहर एक धार्मिक संस्थान का सहारा लेना है। यहां अस्थायी आवास बनाने की योजना काफी पुरानी है, मगर यह मामला विचार से आगे नहीं बढ़ पाया है। एम्स में प्रतिदिन ढाई से तीन हजार मरीज छत्तीसगढ़ समेत दूसरे राज्यों से इलाज के लिए आते हैं।

ज्यादातर निम्न मध्यम वर्ग

इन सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए आने वाले मरीजों में ज्यादातर निम्न और मध्यम वर्ग के लोग होते हैं। आर्थिक रूप से संपन्न नहीं होने की वजह से महंगे होटल अथवा धर्मशाला में रुकने की स्थिति नहीं होने के कारण अस्पताल परिसर में ही वक्त गुजारना उनकी मजबूरी होती है। कुछ अस्पतालों में तो वे चादर बिछाकर दिन-रात काटने को मजबूर होते हैं।

पुलिस कमिश्नर का दावा- हर एक्सीडेंट में अपराध दर्ज, इसलिए आंकड़े बढ़े

पुलिस कमिश्नरेट लागू होने के बाद हादसे बढ़े, पर मृत्युदर में कमी से राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहर में पुलिस कमिश्नरेट लागू होने के बाद आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने पुलिस लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई कर रही है। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला का फोकस जिले में मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त पर सख्ती से रोक लगाने के साथ एक्सीडेंट की घटनाओं पर अंकुश लगाना है। यही कारण है कि पिछले तीन महीने में एक्सीडेंट की घटनाओं में पिछले वर्ष की तुलना में 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, लेकिन मौत के आंकड़े 25 प्रतिशत तक कम हुए हैं। पुलिस कमिश्नर डॉ. शुक्ला के अनुसार, वर्तमान पुलिस कमिश्नरेट में जो थाना क्षेत्र शामिल हैं, उन्हीं थाना क्षेत्र का इस साल तथा पिछले साल के एक्सीडेंट का आंकड़ा लेकर औसत निकाला गया है। पिछले वर्ष फरवरी से लेकर अप्रैल के बीच अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में 41 मौतें हुई थीं। इस बार 31 लोगों की सड़क दुर्घटना में मौत हुई है। रोड एक्सीडेंट में घायलों की संख्या में वृद्धि हुई है। एक्सीडेंट में पिछले वर्ष 153 लोग घायल हुए थे। इस वर्ष संख्या बढ़कर 195 हो गई है। पुलिस कमिश्नर के अनुसार, एक्सीडेंट में बढ़ोतरी का कारण अब हर छोटे एक्सीडेंट में भी अपराध दर्ज किया जा रहा है, इस वजह से एक्सीडेंट के आंकड़ों में बढ़ोतरी हुई है।

हरिभूमि सरोकार

- *ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ लगातार कार्रवाई का दिखने लगा असर*

एक्सीडेंट का बड़ा कारण ड्रंक एंड ड्राइव

पुलिस अफसर के अनुसार, एक्सीडेंट का बड़ा कारण नशे की हालत में गाड़ी चलाना है। 35 प्रतिशत से ज्यादा सड़क हादसे नशे की हालत में गाड़ी चलाने से होती है। इस बात को ध्यान में रखते हुए पुलिस कमिश्नर ने सभी थानों की पुलिस के साथ ट्रैफिक पुलिस को ड्रंक एंड ड्राइव पर लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई करने निर्देश दिए हैं।

आउटर के इलाकों में ज्यादा कार्रवाई

ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ पुलिस शहरी क्षेत्र से ज्यादा आउटर के क्षेत्र में कार्रवाई कर रही है। साथ ही आउटर समेत सभी क्षेत्रों में रांग साइड गाड़ी चलाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इस कारण एक्सीडेंट में मृत्यु दर कम होने का दावा पुलिस अफसरों द्वारा किया जा रहा है। पुलिस अफसर ड्रंक एंड ड्राइव को लेकर लगातार कार्रवाई जारी रखने की बात कह रहे हैं।

एक नजर एक्सीडेंट से मौतों की संख्या पर

- *वर्ष 2025 - फरवरी - 86 एक्सीडेंट 17 मौतें, मार्च- 59 एक्सीडेंट 10 मौतें, अप्रैल- 76 एक्सीडेंट 14 मौतें*
- *वर्ष 2026 - फरवरी - 95 एक्सीडेंट 13 मौतें मार्च- 101 एक्सीडेंट 9 मौतें, अप्रैल- 94 एक्सीडेंट 9 मौतें*

चार माह में तीन हजार से ज्यादा कार्रवाई

नशे की हालत में गाड़ी चलाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस कमिश्नरेट में चार माह में तीन हजार से ज्यादा ड्रंक एंड ड्राइव की कार्रवाई की गई है। जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, उनमें ट्रक से लेकर मिनीडोर, बस, कार, बाइक चालक तक शामिल हैं। 30 से ज्यादा ऐसे दोपहिया वाहन चालक हैं, जो कोर्ट में अपनी गाड़ी की वैध दस्तावेज पेश नहीं कर पाए, इसके चलते उनकी गाड़ी ट्रैफिक थाने में धूल खाती पड़ी हुई है।

भारतमाला रोड शुरू होने पर एक्सीडेंट में कमी

इस साल के अंत तक रायपुर से विशाखापट्टनम भारतमाला एक्सप्रेस-वे पूरी तरह से शुरू होने की संभावना है। भारतमाला एक्सप्रेस-वे के शुरू होने के बाद सभी तरह के मालवाहक वाहन आउटर से अपनी गंतव्य की ओर रवाना होंगे। इससे शहर में ट्रैफिक का दबाव कम होने के साथ एक्सीडेंट की घटनाओं पर अंकुश लगेगा।

भारी वाहनों से इन मार्गों में ज्यादा दबाव

भारी वाहन के कारण सबसे ज्यादा यातायात का दबाव पचपेड़ी नाका से टाटीबंध तक रहता है। इसी तरह माना से पचपेड़ी नाका के बीच रहता है। इसका कारण रिंग रोड के दोनों तरफ रिहायशी कालोनी होने के साथ पूरे दिन भारी वाहनों की आवाजाही होती रहती है। इस कारण पुलिस कमिश्नरेट से सटे क्षेत्र में आमानाका, कबीर नगर के बाद सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटना भाठागांव से लेकर लेकर सरोना के बीच होता है।

डगनिया मुख्यालय के सामने आज प्रदर्शन करेंगे विद्युत संविदा कर्मचारी

दोपहर 3 बजे से प्रदर्शन, गेट मीटिंग भी, नियमितीकरण की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ विद्युत संविदा संघ के आव्हान पर बिजली विभाग के संविदा कर्मचारी नियमितीकरण सहित अन्य मांगों को लेकर 25 मई को दोपहर 3 बजे से बिजली कंपनी के डगनिया मुख्यालय के सामने प्रदर्शन करेंगे। 10 साल से संविदा कर्मचारी के रूप में काम कर रहे कर्मचारियों का कहना है, 4500 पद खाली होने के बावजूद उन्हें न्याय नहीं मिल रहा है। लामबंद संविदा विद्युत कर्मचारियों का कहना है 2015 में बोर्ड के निर्णय अनुसार सभी पात्र संविदा लाइन परिचारकों का तत्काल नियमितीकरण 4500 खाली पड़े पदों पर किया जाए। उनकी दूसरी मांग मृतक, दिव्यांग संविदा कर्मचारियों के परिवारों को अनुकंपा नियुक्ति व मुआवजा दिया जाए। छत्तीसगढ़ विद्युत संविदा कर्मचारी संघ के महामंत्री कमलेश भारद्वाज ने कहा है कि यदि संविदा कर्मचारियों की मांग पूरी नहीं हुई तो संघ 22 जून से प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन आंदोलन के लिए बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

संगठन के विस्तार पर हुई बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के रायपुर जिला शहर के पदाधिकारियों और सेनानियों की एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय समीक्षा बैठक शनिवार को मोवा स्थित सिद्ध मां काली मंदिर परिसर में संपन्न हुई। प्रदेश स्तरीय निर्देशानुसार आयोजित इस बैठक में संगठन की मजबूती और आगामी माह की कार्ययोजना को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से सदस्यता अभियान की समीक्षा, आगामी आंदोलनों और कार्यक्रमों की रूपरेखा के साथ सभा के दिशा-निर्देशों के अनुसार संगठन को और अधिक गतिशील बनाने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में रायपुर जिला शहर के सभी प्रमुख पदाधिकारी, वार्ड प्रभारी और बड़ी संख्या में सेनानी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में छत्तीसगढ़िया संस्कृति, अस्मिता और स्थानीय अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी ताकत से कार्य करने का संकल्प दोहराया।

प्रदेशाध्यक्ष व प्रदेश कार्यकारिणी के लिए नामांकन 11 से 13 जून तक

यूथ कांग्रेस के लिए नामांकन 29 से देर शाम तक चलता रहा साक्षात्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ यूथ कांग्रेस को कुछ माह के अंतराल में नए पदाधिकारी मिल जाएंगे। रविवार को यूथ कांग्रेस चुनाव संबंधित तिथियों की घोषणा कर दी गई। राजीव भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में यूथ कांग्रेस संगठनात्मक चुनाव के मुख्य चुनाव आयुक्त जसप्रीत सिंह और प्रदेश चुनाव अधिकारी रोशन नेगी ने चुनाव की तारीखों और प्रक्रिया की जानकारी दी। इस दौरान पीसीसी चीफ दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव अमित पठानिया व मोनिका मांडवे भी उपस्थित रहीं। ब्लॉक और जिला कमेटियों के लिए नामांकन 29 मई से 13 जून तक भरे जाएंगे। प्रदेशाध्यक्ष और प्रदेश कार्यकारिणी के लिए 11 जून से 13 जून तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 15 जून से 18 जून तक स्क्रूटनी की जाएगी। इसके बाद सदस्यता अभियान और चुनाव प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से संचालित होगी। चुनाव को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरा कराने के लिए प्रदेश को 5 जोन में बांटा जाएगा।

आयु सीमा 18 से 35 वर्ष

सदस्यता और चुनाव के लिए नियम भी तय कर दिए गए हैं। इसकी घोषणा भी चुनाव कार्यक्रम के साथ कर दी गई। युवा कांग्रेस में सदस्यता लेने और चुनाव लड़ने के लिए आयु सीमा 18 से 35 वर्ष निर्धारित की गई है। पूरी सदस्यता और शिकायत प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। किसी भी तरह की फर्जी वोटिंग या सदस्यता ना हो सके, इसके लिए वोटर आईडी अनिवार्य की गई है। इसके आधार पर ही सदस्यता प्रदान की जाएगी। आयु प्रमाण के लिए ड्राइविंग लाइसेंस, 10वीं की मार्कशीट, पासपोर्ट या अन्य वैध पहचान पत्र स्वीकार किए जाएंगे। चुनाव लड़ने के लिए दावेदारी पेश कर रहे कैंडिडेट्स को आवेदन के साथ 8 सेकंड का वीडियो भी अपलोड करना करना। इसमें उन्हें अपनी जानकारी देनी होगी।

300 से अधिक उम्मीदवार पहुंचे

चुनाव तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रक्रिया भी शुरु कर दी गई। जिलाध्यक्ष के उम्मीदवारों के साक्षात्कार रविवार को लिए गए। छत्तीसगढ़ के सभी जिलों से उम्मीदवार पहुंचे रहे। 300 से अधिक उम्मीदवार इसके लिए पहुंचे। संख्या को देखते हुए ग्रुप इंटरव्यू लिया गया। बस्तर संभाग के साक्षात्कार प्रथम चरण में हुए, जबकि सबसे अंत में रायपुर संभाग के उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया गया। अंदरुनी सूत्रों के अनुसार, प्रदेशाध्यक्ष के लिए 3 जून को उम्मीदवारों के साक्षात्कार लिए जाएंगे।

भाजपा नेताओं ने कार्यकर्ताओं को दिया बूथों को मजबूत करने का मंत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में प्रशिक्षण सत्रों में सुनील पिल्लई, राजीव सिंह, राजेंद्र शर्मा, पंकज झा, डॉ. नवीन मार्कण्डेय, डॉ. अवधेश जैन, राजेश मूणत, अखिलेश सोनी आदि सभी वरिष्ठ नेताओं ने अलग-अलग विषयों पर, जैसे बूथ की मजबूती, संगठन का विस्तार, एकात्म मानववाद, कार्यकर्ता के गुणों का विकास आदि महत्वपूर्ण विषयों पर अपने अनुभव के आधार पर कार्यकर्ताओं के सामने अपने विचार रखे।

समापन सत्र में मुख्य वक्ता के तौर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा, सभी कार्यकर्ता इस दो दिवसीय वर्ग में जो प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है, वे यहां से जाने के बाद अपने कार्यक्षेत्र में जरूर आत्मसात करें। ऐसा करने से स्वयं का विकास और संगठन के विस्तार में सहायता मिलेगी। केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी लेकर जनता के बीच जाकर प्रचारित करें और जो लाभार्थी इन योजनाओं से वंचित हैं, उन्हें भी सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके, इसके लिए मजबूती के साथ काम करना है। उन्होंने बताया, ऐसा कोई भी घर नहीं होगा, जहां केंद्र या राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थी न हों। उन्होंने कहा, चार-चार पीढ़ियों से कार्यकर्ता कर्मठता के साथ काम कर रहे हैं, तब जाकर हम दो सीटों से आज पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने में सफल हुए हैं। प्रशिक्षण वर्ग में राजीव अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, अशोक बजाज, रमेश सिंह ठाकुर, विधायक, निगम-मंडल के अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, मोर्चा-प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं संयोजक, मंडल अध्यक्ष, महामंत्री एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मदिवस को स्वराज दिवस घोषित करने की मांग

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रविवार की शाम राजधानी स्थित निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ सिविल सोसायटी के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मदिवस 19 फरवरी को प्रदेश में स्वराज दिवस के रूप में घोषित करने की मांग की है। इसके लिए 5 हजार लोगों के हस्ताक्षर सहित आवेदन सौंपा है। छत्रपति शिवाजी महाराज भारत के महान योद्धा रहे हैं। उन्होंने मुगल साम्राज्य के खिलाफ लड़कर हिंदवी स्वराज की स्थापना की तथा भारत की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। शिवाजी महाराज केवल एक योद्धा ही नहीं थे, बल्कि एक महान प्रशासक और विजनरी भी थे। उन्होंने एक मजबूत और स्वतंत्र भारत का सपना देखा था। इस दौरान छत्तीसगढ़ सिविल सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. कुलदीप सोलंकी, शिक्षाविद संजय जोशी, महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय काले, सुबोध टोले सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहें।

परशुराम नगर में पेयजल संकट, रहवासी त्रस्त

रायपुर। नगर निगम जोन 6 क्षेत्र स्थित महामाया मंदिर वार्ड के परशुराम नगर में पिछले 5 दिनों से लोगों के घरों में नगर निगम द्वारा लगाए गए नलों से पानी नहीं आ रहा है, इससे रहवासी बेहद परेशान हैं। महाराजबंध तालाब के पास पटेल विद्या मंदिर चौक के पास यह स्थिति बनी हुई है। लोगों का कहना है कि पेयजल समस्या दूर करने उन्होंने वार्ड पार्षद से भी आग्रह किया है, इसके बाद भी पेयजल की समस्या दूर नहीं हुई। पीने के लिए पानी की बॉटल खरीदकर प्यास बुझाने की नौबत आ गई है। नगर निगम जोन 6 के अधिकारी भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं,इससे उन्हें पानी की किल्लत से जूझना पड़ रहा है।

पेज 11 के शेष

चिलचिलाती धूप में सड़कें खाली...

आवाजाही हो रही है। बाजार में सबसे ज्यादा पिक टाइम शाम 6 से रात 9 बजे के बीच रहता है। जिन्हें एकदम जरूरी काम है, वही दिन के समय निकल रहे हैं। इनमें कारोबारी से लेकर ऑफिस कार्य से जुड़े लोग शामिल हैं। कारोबारी तथा ऑफिस कार्य से जुड़े लोग दोपहर में लंच करने घर जाने के बजाया अपने कार्यालय परिसर में ही लंच बॉक्स लेकर आते हैं। इसलिए दोपहर 2 से शाम 4 बजे के बीच व्यस्त मार्गों पर गिनती के लोग ही दिखते हैं।

गर्म हवा से झुलस रहा नवा...

काफी है। रविवार को माना और रायपुर के तापमान में एक डिग्री का अंतर रहा। वहां खुला इलाका होने की वजह से गर्म हवाओं का ज्यादा अहसास होता रहा, वहीं शहर के भीतर भी गर्मी ने अपना असर दिखाने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी। छुट्टी का दिन होने की वजह से लोगों ने शहर में घूमने के बजाय घर में कूलर-पंखे के नीचे अपना समय बिताना ज्यादा उचित समझा। राजधानी के तापमान में अभी कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना कम है। राज्य के कई इलाकों में ग्रीष्मलहर का प्रभाव बने रहने का अनुमान है। रायपुर में बारिश की गतिविधि मई के अंतिम दिनों और जून की शुरुआत में होने की संभावना है।

एयरपोर्ट के करीब एरोसिटी, नया...

कि इसके पूर्व भी एरोसिटी बनाने जमीन अधिग्रहण के लिए निजी जमीनों की सूची जारी की गई थी, उसमें राधास्वामी नगर की अधिकांश जमीन आने के बाद आपत्ति आई थी। उनकी जमीनों को इस प्लान से अलग किए जाने के बाद नए सिरे से जमीनों को चिन्हांकित किया गया है। जिन निजी भू-स्वामियों की जमीनें इसमें आई हैं, उन्हें एनआरडीए विकसित करेगा। मंजूरी के बाद लैंड यूज बदलने की प्रक्रिया शुरू होगी। नगर विकास योजना में नवा रायपुर लेयर-3 के तहत निजी भू-स्वामियों की कुल जमीन का 43 प्रतिशत विकसित प्लाट उन्हें दिया जाएगा। शेष जमीन का उपयोग एनआरडीए एरोसिटी प्लान के लिए करेगा। जमीन अधिग्रहण पूर्ण करने के बाद दो साल से अटके इस प्लान पर शीघ्र काम शुरू होगा। विस्तारित प्लान किसानों की आपत्तियों और मांग को देखते हुए अब इसे करीब 600 एकड़ में विकसित करने का नया विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया गया है। जारी अधिसूचना में कहा गया है कि भूखंडों की अंतिम सूची के आधार पर आवंटन किया जाएगा।

बसाहट बढ़ाने नियमों...

निवेश अधिनियम और नवा रायपुर अटल नगर विकास योजना-2031 में आवश्यक संशोधन किया गया है।

प्रॉपर्टी टैक्स भुगतान का...

वहीं निगम प्रशासन का कहना है, यूजर चार्ज और संपत्ति आधारित डाटा का अपग्रेडेशन किया जा रहा है, यह प्रक्रिया पूरी होते ही ऑनलाइन टैक्स भुगतान की सुविधा फिर से शुरू कर दी जाएगी। दरअसल, एनआईसी द्वारा प्रॉपर्टी टैक्स के ऑनलाइन सिस्टम वाले सर्वर में नए वित्तीय वर्ष, संशोधित यूजर चार्ज और संपत्ति आधारित डॉटा को अपडेट किया जा रहा है। इस तकनीकी प्रक्रिया के कारण विगम 24 दिनों से करदाता अपने बकाया संपत्ति कर का ऑनलाइन भुगतान नहीं कर पा रहे हैं। नगर निगम के आईटी शाखा के मुताबिक, पूरे प्रदेशभर में यह अपग्रेडेशन का कार्य किया जा रहा है। रायपुर नगर निगम ने ऑनलाइन प्रापर्टी टैक्स सिस्टम को अपग्रेड करने का कार्य पूरा कर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के पास एप्रूवल के लिए भेजा है। एप्रवूल मिलते ही यह सुविधा दोबारा शुरू कर दी जाएगी।

यूपीएससी से 34% नदारद, चेहरा स्कैन करने के बाद ही प्रवेश, पूछे अमूर बाज व तुंगुराहुआ ज्वालामुखी से जुड़े सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

संघ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा रविवार को दो पालियों में आयोजित की गई। इसके लिए छत्तीसगढ़ में राजधानी रायपुर के अलावा बिलासपुर में केंद्र बनाए गए थे। प्रदेश में 13 हजार 319 आवेदन मिले थे। रायपुर में 8 हजार 449 तथा बिलासपुर में 13 हजार 319 कैंडिडेट ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। रायपुर में 63.77 प्रतिशत अभ्यर्थी उपस्थित रहे। बिलासपुर में भी उपस्थिति का प्रतिशत लगभग इतना ही रहा। रायपुर में 22 और बिलासपुर में 14 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित परीक्षाओं में भी हो रहे नकल को देखते हुए सभी केंद्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। इस बार यूपीएससी ने पहली बार फेस ऑथेंटिकेशन सिस्टम लागू किया था। परीक्षा दिलाने पहुंचे छात्रों के चेहरों की पहले स्कैनिंग की गई। वेरिफाइड होने के बाद ही उन्हें अंदर जाने दिया गया। फेस स्कैनिंग के अतिरिक्त अन्य जांच प्रक्रियाएं भी पूर्व की तरह हुईं। ड्रेस कोड संबंधित निर्देश पहले ही जारी कर दिए गए थे। अभ्यर्थियों को दोनों पालियों में परीक्षा शुरू होने के आधा घंटा पहले केंद्र पहुंचने निर्देश दिए गए थे। परीक्षा की पहली पाली में सुबह 9 बजे एवं दूसरी पाली में दोपहर 2 बजे परीक्षा केंद्र में एंट्री बंद कर दी गई। किसी भी दो परीक्षार्थी को एक साथ बाथरूम जाने की इजाजत नहीं दी गई। अन्य नियमों का भी सख्ती के साथ पालन किया गया।

रायपुर व बिलासपुर में बनाए गए केंद्र, छग से 13319 आवेदन

पुराने पैटर्न पर लौटा आयोग कम रहेगा कट ऑफ

इस बार परीक्षा का स्तर कठिन रहने की बात कही जा रही है। ऐसे में कट ऑफ बीते वर्षों की तुलना में कम रहेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, पेपर बहुत लंबा रहा। इस बड़ी संख्या में सवाल ऐसे करंट अफेयर्स के विषयों से पूछे गए थे जो देखने में बिल्कुल रैंडम लग रहे थे, इस वजह से उम्मीदवारों के लिए इसका नतीजा बहुत ही अप्रत्याशित हो गया। इस साल कटऑफ काफी कम जाने की संभावना है। विकल्पों में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला। यूपीएससी अपने पुराने तरीके से ऑप्शन बनाने के तरीके पर लौट आया है, और उस हालिया पैटर्न से हट गया है जिससे उम्मीदवार अब तक परिचित हो चुके थे।

इस तरह के सवाल

- मंगोलिया से प्रत्येक वर्ष नागालैंड के दोयंग झील में अमूर बाजों का आगमन।
- तुंगुराहुआ ज्वालामुखी कौन से देश में स्थित है?
- भारत सरकार का सागरमाला कार्यक्रम।
- तुर्कीना झील संबंधित तथ्य।
- किन मंदिरों में नागर शैली से निर्मित शिखर हैं?
- बाघ गुफाओं में विद्यामान हल्लिसालस्य चित्र क्या प्रदर्शित करता है?
- कर्नाटक के विख्यात शास्त्रीय गायक मल्लिकार्जुन मंसूर किस घराने का प्रतिनिधित्व करते थे?
- क्षेत्र-पत्नी शब्द किस ग्रंथ में उद्धृत है?

खबर संक्षेप

सर्व आदिवासी समाज ने सीएम साय से की भेंट

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ मंत्री केदार कश्यप के नेतृत्व में सर्व आदिवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ सदन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल और मुख्यमंत्री के बीच सामाजिक समरसता, जनकल्याण तथा छत्तीसगढ़ के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित विकास कार्यों और जनहितकारी योजनाओं की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री ने भी समाज के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य सरकार आदिवासी समाज के विकास, संस्कृति के संरक्षण और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

गर्मी से राहत दिलाने राहगीरों को बांटा छाछ

रायपुर। रायपुर में भीषण गर्मी और लू (हीटवेव) का प्रकोप लगातार जारी है, जहां कई बार तापमान 44 से 46 डिग्री के बीच पहुंच रहा है। प्रचंड गर्मी को देखते हुए रामकृष्ण मिशन विवेकानंद आश्रम द्वारा रविवार को आश्रम के सामने, जीई रोड पर लगभग 300 राहगीरों को छाछ वितरण किया गया। यह राहत कार्य नौतपा में जारी रहेगा। यह जानकारी आश्रम के सचिव स्वामी योगस्थानंद महाराज ने देते हुए बताया कि इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री (अविभाजित मध्यप्रदेश) लक्ष्मीनारायण इंदुरिया सहित आश्रम के संन्यासी एवं आश्रम के छात्र भी उपस्थित रहे।

अभ्यर्थियों ने उच्च शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय (रविवि) में प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के शैक्षणिक पदों पर जारी भर्ती में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए अभ्यर्थियों ने राज्यपाल रमेन डेका, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में शिकायत की गई है कि नियमों के बावजूद छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। अभ्यर्थियों का आरोप है कि विश्वविद्यालय के भर्ती नियमों में छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों को प्राथमिकता देने का स्पष्ट प्रावधान है, लेकिन चयन प्रक्रिया में इसका पालन नहीं किया जा रहा है। इस मौके पर अभ्यर्थियों के. सिंह, धर्मेंद्र नागेश, गौरव शर्मा आदि ने ज्ञापन में स्पष्ट किया है कि विगत वर्षों में प्रदेश के अनेक उच्च शिक्षित युवाओं ने राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से उच्च शिक्षा प्राप्त कर अध्यापन एवं शोध के क्षेत्र में अपना योगदान देने के लिए स्वयं को तैयार किया है। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में वर्तमान में संचालित शैक्षणिक पदों की भर्ती प्रक्रिया में क्षेत्रीय संतुलन, स्थानीय प्रतिनिधित्व तथा पारदर्शिता बनाए रखने के लिए निम्नलिखित मांग अभ्यर्थियों ने राज्यपाल, उच्च शिक्षा मंत्री एवं सांसद के समक्ष प्रस्तुत की है।

यात्रियों को मिलेगी जाम और असामाजिक तत्वों से मुक्ति

रायपुर स्टेशन का अब बदलेगा रूप, सड़कों पर लगे अवैध स्टॉल पर चला प्रशासन का डंडा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर रेलवे स्टेशन और उसके आसपास के क्षेत्रों को अतिक्रमण, जाम और असामाजिक तत्वों से मुक्त कराने के लिए रेलवे प्रशासन ने सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। स्टेशन परिसर के पास लंबे समय से जमे अनाधिकृत स्टॉलों पर अब कानूनी कार्रवाई तेज कर दी गई है। यात्रियों की सुरक्षा, सुगम यातायात और 'स्वच्छ भारत अभियान' को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने जमीनी स्तर पर सफाई अभियान छेड़ दिया है। इसी कड़ी में स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के पास अवैध रूप से संचालित एक स्टॉल को सील कर दिया गया है। रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी के संज्ञान में आने के बाद इस अतिक्रमण के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया गया है। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 के मुख्य प्रवेश द्वार और एक्सप्रेस-वे के पास चल रहे अनाधिकृत स्टॉलों को लेकर एक संयुक्त सर्वेक्षण कराया गया। जांच में यह तथ्य सामने आया कि यह स्टॉल राज्य सरकार की जमीन पर, रेलवे सीमा के करीब संचालित हो रहा था। इसके लिए न तो रेलवे प्रशासन और न ही रायपुर नगर निगम से कोई अनुमति ली गई थी। इस स्टॉल के कारण यात्रियों की आवाजाही में बाधा आ रही थी और वहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता था। मामले की गंभीरता को देखते हुए रेलवे ने तत्काल प्रभाव से स्टॉल सील कर दिया है।

- स्टेशन के निकट एक्सप्रेस-वे पर रेलवे भूमि के पास चल रहे अनधिकृत स्टॉल के खिलाफ हुई कानूनी कार्रवाई
- नगर निगम के क्षेत्र में लगे स्टॉल पर कार्रवाई करने रेलवे ने राज्य सरकार से किया पत्राचार

कार्रवाई की जा रही

रेलवे का स्पष्ट उद्देश्य यात्रियों को रेलवे स्टेशन के आसपास क्षेत्र में सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण प्रदान करना है, ताकि रात के समय सफर करने वाले यात्री खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें और उन्हें ट्रैफिक जाम की समस्या से मुक्ति मिले। रेलवे सीमा के संचालित स्टॉलों पर कार्रवाई की जा रही है। सरकार से तत्काल कार्रवाई करने पत्राचार किया गया है।
अवधेश कुमार त्रिवेदी, सीनियर डीसीएम

10 से 15 दिनों में हटेंगे दर्जनों अन्य स्टॉल

रेलवे प्रशासन की यह कार्रवाई केवल एक स्टॉल तक सीमित नहीं रहेगी। स्टेशन के आसपास राज्य सरकार की भूमि और रेलवे सीमा से सटे दर्जनों अन्य अनधिकृत स्टॉल भी प्रबंधन के रडार पर हैं। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, अगले 10 से 15 दिनों के भीतर इन सभी अवैध कब्जों पर बड़ी कार्रवाई करने की तैयारी है। रेलवे का स्पष्ट उद्देश्य यात्रियों को एक सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण प्रदान करना है, ताकि रात के समय सफर करने वाले यात्री खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें और उन्हें ट्रैफिक जाम की समस्या से मुक्ति मिले। चूंकि अतिक्रमण वाला यह अधिकांश हिस्सा सीधे तौर पर रायपुर नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए रेलवे ने राज्य सरकार और निगम प्रशासन को पत्राचार कर त्वरित दखल की मांग की है।

फाफाडीह गेट पर गंदगी और जाम से यात्री बेहाल

स्टेशन के फाफाडीह प्रवेश द्वार के पास भी अतिक्रमण ने विकराल रूप ले लिया है। पीक आवर्स के दौरान यहां अवैध स्टॉलों के कारण भारी जाम की स्थिति बन जाती है। स्टॉल संचालकों द्वारा सड़क पर फेंके जाने वाले कूड़े और बचे हुए भोजन से गंदगी फैल रही है, जो 'स्वच्छ भारत अभियान' के प्रयासों को नुकसान पहुंचा रही है। शाम ढलते ही यह इलाका असामाजिक तत्वों का अड्डा बन जाता है, जिससे महिला यात्रियों और ड्यूटी पर तैनात रेल कर्मचारियों में हमेशा खौफ का माहौल बना रहता है।

चोले वाली अम्मा का वर्सी महोत्सव 7 जून को तैयारियों को लेकर बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

देवपुरी स्थित गोदड़ीवाला धाम में 7 जून को चोले वाली अम्मा का वर्सी महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम संत बाबा हरदास राम साहेब, संत बाबा गेलाराम साहेब के आशीर्वाद और महंत अम्मा मीरा देवी के सानिध्य में होगा। यह जानकारी दरबार के सेवादारी इंदर सचदेव, हरि इसरानी, अमर गिदवानी, सतीश थौरानी, पवन प्रीतवानी ने देते हुए बताया कि वर्सी महोत्सव में शामिल होने छत्तीसगढ़ के 11 गोदड़ीवाला धाम से अनेक बाबा भक्त व श्रद्धालु शामिल होंगे। साथ ही शहर की सभी सिंधी पूज्य पंचायतों व जनप्रतिनिधियों व सामाजिक संस्थाओं को वर्सी महोत्सव का निमंत्रण दिया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर रविवार को गोदड़ीवाला धाम में सिंधी समाज की सामान्य सभा की बैठक हुई। बैठक में महोत्सव की तैयारी जैसे आवास व्यवस्था, पंडाल व्यवस्था, साउंड व लाइट व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, संत-महात्मा को निमंत्रण देने की व्यवस्था, भंडारा साहेब व्यवस्था, अन्य विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा कर सभी सेवादारियों को सेवाएं महंत द्वारा सौंप दी गईं। बैठक में लाल खूबचंदानी, सुशील केसवानी, दिनेश दावानी, घनश्याम माखीजा, राजेश गिदवानी, मेहर माखीजा, शिवा खूबचंदानी समेत अनेक बाबा भक्त व सेवादारी उपस्थित थे।

प्राकृतिक आपदाओं की जिम्मेदारी अब राजस्व समेत अन्य विभागों की भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली मौतों के लिए अकेला राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग जिम्मेदार नहीं होगा। राज्य सरकार ने इस संबंध में नियम में बड़ा बदलाव कर दिया है। अब राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के साथ ही स्वास्थ्य, होमगार्ड, कृषि और वन विभाग की भी जिम्मेदारी तय की गई है। आपदाओं को भी इन विभागों में बांटा गया है।

- पूर्व चेतावनी और नुकसान कम करने का काम करना होगा
- आपदा प्रभावितों को मुआवजा देने की प्रक्रिया होगी आसान

खास खबर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में होने वाली विभिन्न प्राकृतिक और स्थानीय आपदाओं के प्रबंधन और राहत कार्यों के लिए एक नई व्यवस्था लागू की है। आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत सरकार ने स्पष्ट किया है कि अब अलग-अलग तरह की आपदाओं की जिम्मेदारी और उनकी निगरानी विशिष्ट विभागों द्वारा की जाएगी। आपदा प्रभावितों को राहत राशि वितरण में तेजी- अक्सर देखा गया है कि फाइलें एक विभाग से दूसरे विभाग में घूमने के कारण प्रभावित परिवारों को मुआवजा मिलने में देरी होती थी। अब संबंधित विभाग सीधे तौर पर नुकसान का आकलन कर अपनी बजट सीमाओं के भीतर त्वरित सहायता प्रदान कर सकेंगे।

किस आपदा के लिए कौन-सा विभाग जिम्मेदार

राज्य सरकार द्वारा जारी सारिणी के अनुसार, आपदाओं को श्रेणीबद्ध कर संबंधित विभागों को जवाबदेही सौंपी गई है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग- आकाशीय बिजली (गाज), गड्ढे में डूबने, भारी वर्षा और तूफान जैसी घटनाओं की निगरानी और राहत का जिम्मा इस विभाग के पास रहेगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग- सांप, बिच्छू, गोह और मधुमक्खी के काटने जैसी घटनाओं के साथ-साथ 'हीट वेव' (लू) से होने वाली क्षति के लिए अब स्वास्थ्य विभाग उत्तरदायी होगा। होमगार्ड और एसडीआरएफ- नदी, तालाब, बांध, कुआं या नहर में डूबने, नाव दुर्घटना और एलपीजी सिलेंडर फटने से होने वाली आगजनी की घटनाओं का प्रबंधन अब होमगार्ड और आपातकालीन सेवाएं संभालेंगे। वन और कृषि विभाग की ये जिम्मेदारीवन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग- जंगलों में लगने वाली आग (वनाग्नि) के मामलों के लिए सीधे तौर पर वन विभाग को अधिकृत किया गया है। कृषि एवं पशुपालन विभाग- खेती की जमीन पर आगजनी और बिजली गिरने या सर्पदंश से होने वाली पशुहानि की जिम्मेदारी कृषि और पशुपालन विभाग की होगी।

इस बदलाव की जरूरत क्यों पड़ी

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, इस विकेंद्रीकरण के पीछे कई महत्वपूर्ण कारण हैं। जवाबदेही तय करना- अब तक अधिकांश आपदा राहत कार्यों का बोझ केवल राजस्व विभाग पर होता था। विभागों के बंटवारे से अब प्रत्येक विभाग अपने क्षेत्र से संबंधित आपदा के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार होगा। उदाहरण के लिए, सर्पदंश की स्थिति में स्वास्थ्य विभाग बेहतर तरीके से मेडिकल डेटा और राहत का समन्वय कर सकेगा।

एक्सप्रेस-वे पर गलत तरीके से रास्ता खोला, कांग्रेस ने किया विरोध-प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने सिटी सेंटर मॉल के सामने बने एक्सप्रेस-वे का रूट बीच में खोलने वाले पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों की भूमिका की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा, जहां एक तरफ भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री लगातार विकास कार्यों में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त शासन का दावा करते हैं, वहीं पीडब्ल्यूडी के कुछ अधिकारी अपने फायदे के लिए बड़े कॉलोनाइजरों से मिलीभगत कर आम जनता को दुर्घटनाओं के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। कांग्रेस का दावा है यह कार्य निजी और आर्थिक लाभ के लिए किया जा रहा है, जिसके कारण पूरे प्रोजेक्ट की दिशा बदली जा रही है। उन्होंने इसकी निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा है कि एक्सप्रेस-वे के प्रारंभिक सर्वे और वर्तमान में किए गए बदलावों की तुलनात्मक जांच किसी स्वतंत्र केंद्रीय एजेंसी से कराई जाए। जिस अधिकारी ने तकनीकी कारणों को दरकिनार कर किसी निजी व्यक्ति या लॉबी को फायदा पहुंचाने के लिए रूट बदला है, उसके खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए। एक्सप्रेस-वे के मार्ग निर्धारण से जुड़ा पूरा नक्शा और फिजिबिलिटी रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। कांग्रेस विकास विरोधी नहीं हैं, लेकिन विकास के नाम पर भ्रष्टाचार के इस खेल को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर सरकार ने इस रूट घोटाले पर तुरंत संज्ञान नहीं लिया तो कांग्रेस संबंधित के खिलाफ देवेंद्र नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराएगी।

बिजली कटौती पर कांग्रेस को मुख्य अभियंता का आश्वासन- 10 दिन में सुधार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर जिला कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी के सीई संजीव सिंह एवं सभी डिवीजन के प्रमुख अभियंताओं के साथ बैठक कर लगातार हो रही बिजली कटौती, लो-वोल्टेज एवं विद्युत सुधार में देरी को लेकर स्थायी समाधान की मांग की। रविवार और छुट्टी होने के बाद भी बैठक हुई, जो कई घंटे चली। प्रतिनिधिमंडल को सीई ने आश्वासन दिया है कि 10 दिन के अंदर सभी स्थायी-अस्थाई समस्याओं के निपटारे के लिए ठोस पहल करेंगे।

पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा और शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने रायपुर ग्रामीण के भनपुरी, गोंदवारा, सोनडोंगरी, कबीर नगर, मोवा, सड्डू, अमलीडीह, कांदुल, देवपुरी, कचना आदि क्षेत्रों में विद्युत कटौती के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग की। उन्होंने घटिया ट्रांसफार्मर, खराब क्वालिटी के केबल, इंसुलेटर एवं अन्य साधनों को बार-बार ब्रेकडाउन के लिए जिम्मेदार बताया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने नागरिकों की शिकायतों पर देरी से निपटारे पर नाराजगी व्यक्त की एवं कॉल सेंटर में लाइन स्टाफ बढ़ाने की मांग की। रायपुर शहर के विभिन्न जोन में विद्युत मंडल कार्यालय में पदस्थ अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने की मांग की। इन अधिकारियों के साथ ठेकेदारों की मिलीभगत और सांठगांठ को बिजली व्यवस्था की बदहाली का कारण बताया।

ट्रांसफार्मर बदलने और केबल अपग्रेड करने की मांग

पूर्व संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने रिंगरोड, डगनिया, सरोना, रायपुरा क्षेत्र में रोजाना हो रही लाइन फाल्ट के लिए ट्रांसफार्मर बदलने व केबल अपग्रेड करने की मांग की। पूर्व महापौर प्रमोद दुबे ने सुंदर नगर, पुरानी बस्ती, टिकरापारा क्षेत्रों में विद्युत मेंटेनेंस स्टाफ न होने और शिकायतों की मॉनिटरिंग रोजाना न होने पर अधिकारियों को खूब सुनाया। उन्होंने मांग की है कि घटिया सामान खरीदी के लिए दोषी अधिकारियों की जांच की जाए। पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा ने रायपुर उत्तर के तेलीबांधा, फाफाडीह, डब्ल्यूआरएस, शंकरनगर, शांतिनगर के क्षेत्रों में बदहाल विद्युत व्यवस्था की शिकायत करते हुए नई भर्ती की मांग रखी।

मिला आश्वासन, 10 दिन में करेंगे ठोस पहल

विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता संजीव सिंह में प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि विद्युत मंडल अमले को संसाधन सम्पन्न बनाएंगे तथा मानव संसाधन बढ़ाए जाएंगे। घटिया ट्रांसफार्मर, केबल एवं इंसुलेटर की जांच का आश्वासन भी उन्होंने दिया। बैठक में 15 दिन में फिर समीक्षा किए जाने की बात कही गई।

सहायक शिक्षक के रिक्त 2300 पदों पर नियुक्ति की मांग

लू के थपेड़े सहकर भी अभ्यर्थी धरना-प्रदर्शन में डटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नवा रायपुर के तूता धरनास्थल पर तेज गर्मी और लू के थपेड़ों के बीच प्रदेशभर के डीएड चयनित अभ्यर्थी सहायक शिक्षक के 2300 रिक्त पदों पर तत्काल नियुक्ति की मांग को लेकर डटे हुए हैं। जहां पर न तो साफ पीने के पानी की समुचित व्यवस्था है न ही सुरक्षा के इंतजाम। हालत ये है कि आंदोलनकारियों को तूता गांव में जाकर सुबह के समय पीने का पानी धरनास्थल तक लाना पड़ रहा है। धरनास्थल के पास वाले बोर का पानी केवल बर्तन धोने और मांजने के काम आता है। आंधी-तूफान को देखते हुए उन्होंने धरनास्थल पर पहले से खाना पकाने के लिए लकड़ियां स्टोर कर रखी हैं। डीएड अभ्यर्थियों के अलावा छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल-2018 प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया जल्द पूरी करने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे हैं।

सशस्त्र बल 2018 प्रतीक्षा सूची अभ्यर्थियों का अनिश्चितकालीन धरना

छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल 2018 प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया जल्द पूरी करने की मांग को तूता धरनास्थल पर बेमियादी आंदोलन कर रहे हैं। इनमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए अभ्यर्थी शामिल हैं। अभ्यर्थियों के साथ उनके परिवार के सदस्य भी संबल बढ़ाने प्रदर्शन में शामिल रहे, पर तेज गर्मी को देखते हुए उन्होंने परिवार के महिलाओं और बच्चों को वापस घर भेज दिया है।

दिन में तेज गर्म हवा, रात को सुरक्षा की चिंता

प्रदेश के दूरस्थ अंचल बस्तर, सरगुजा, जशपुर, रायगढ़, बिलासपुर, मुंगेली राजनांदगांव सहित अन्य जिलों से अपने लंबित मांग को लेकर नवा रायपुर के तूता धरनास्थल पर तेज गर्मी और लू के थपेड़ों के बीच प्रदर्शनकारी आंदोलन कर रहे हैं, वहीं रात के समय खुला मैदान होने की वजह से उन्हें अपनी सुरक्षा की चिंता सता रही है। धरना-प्रदर्शन में शामिल डीएड अभ्यर्थी संजय कुमार ने हरिभूमि से बातचीत में बताया कि पिछले 5 माह से 1316 डीएड प्रशिक्षित अभ्यर्थी हाईकोर्ट के आदेश का पालन कराने जद्दोजहद कर रहे हैं। टीन का शेड और तेज धूप से धधक रहे धरनास्थल पर सुविधाओं का अभाव होने से दूरदराज से आए अभ्यर्थी परेशान हैं। शौचालय में सफाई की भारी कमी और पीने के पानी की समस्या से उन्हें रोज जूझना पड़ रहा है। हाल ही में मुंगेली के डीएड चयनित अभ्यर्थी की तबीयत खराब होने पर उसे उपचार के लिए राजधानी के निजी हास्पीटल में भर्ती कराने की नौबत आई। तेज गर्मी और उमस के बीच धरना दे रहे महासमुंद के एक साथी को लू लगने पर उपचार के लिए एंबुलेंस की मदद से अभनपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। धरनास्थल पर कुछ अभ्यर्थी ऐसे भी हैं, जो लगातार डोम में अनशन बैठे हैं, उन्हें डिहाईड्रेशन की शिकायत भी हो गई है। इसके बावजूद भी शासन-प्रशासन का कोई भी अफसर प्रदर्शनकारियों की सुध लेने नहीं पहुंचा। प्रदर्शनकारियों का कहना है, उन्हें आश्वासन नहीं, नियुक्ति चाहिए।

हरिभूमि

रायपुर, सोमवार 25 मई 2026

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

मैंगो फेस्टिवल थीम पर सजा श्री ....

जॉब लाइव

आरआरबी ने जारी किया एएलपी रिवाइज्ड वैकेंसी का नोटिफिकेशन

रायपुर। रेलवे में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, रेलवे भर्ती बोर्ड आरआरबी ने असिस्टेंट लोको पायलट के पदों पर भर्ती के लिए एक रिवाइज्ड ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी किया है। आरआरबी की अधिसूचना के मुताबिक पदों की संख्या में बदलाव किया गया है। नई अधिसूचना के तहत अब कुछ जोन में पदों की संख्या बढ़ाई गई है। इससे उन तमाम छात्रों को राहत मिलेगी, जो रेलवे में नौकरी करना चाहते हैं। आरआरबी ने एक ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी किया गया था, जिसके मुताबिक एएलपी के कुल 11127 पदों पर भर्ती की जानी थी। हालांकि, अब आरआरबी ने रिवाइज्ड नोटिफिकेशन जारी कर तीन जोन में पदों की संख्या बढ़ाई है।

इन जोन में पदों की संख्या बढ़ी

आरआरबी रिवाइज्ड नोटिफिकेशन के मुताबिक तीन जोन भुवनेश्वर, बिलासपुर और सिकंदराबाद में पदों की संख्या बढ़ाई गई है। भुवनेश्वर में पहले 928 सीटें थीं, जिसे अब बढ़ाकर 1,355 कर दिया गया है। इसके साथ ही बिलासपुर में पहले 568 सीटें थीं, जिसे बढ़ाकर अब 1,068 और सिकंदराबाद में पहले 533 सीटें थीं, जिसे बढ़ाकर वर्तमान में 606 कर दिया गया है।

इस डेट तक आवेदन करने का मौका

आरआरबी की ओर से असिस्टेंट लोको पायलट के पदों पर भर्ती के लिए योग्य एवं इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। जो उम्मीदवार रेलवे में बतौर एएलपी के पदों पर नौकरी करना चाहते हैं, वे 14 जून तक ऑनलाइन माध्यम में आवेदन कर सकते हैं। फीस जमा करने की अंतिम तिथि 16 जून निर्धारित की गई है। इसके साथ ही उम्मीदवारों को 17 जून से लेकर 26 जून तक फॉर्म में सुधार करने का मौका दिया जाएगा।

● सफारी के भालू इन दिनों कलिंदर का लुत्फ उठाते दिख रहे हैं, शेर दोपहर में पानी में बिता रहे समय

जंगल सफारी में दिखा 'समर इफेक्ट', चिलचिलाती धूप से बचने पेड़ की छांव तलाश रहे वन्यजीव, रसीले फलों से बुझा रहे प्यास

भीषण गर्मी और आसमान से बरसती आग का असर केवल इंसानों पर ही नहीं, बल्कि वन्यजीवों पर भी साफ देखने को मिल रहा है। राजधानी के जंगल सफारी में इन दिनों कुछ ऐसा ही नजारा है। जैसे-जैसे दिन चढ़ता है और सूरज के तेवर तल्ख होते हैं, सफारी के जानवर चिलचिलाती धूप से बचने के लिए ठंडे ठिकानों की तलाश में निकल पड़ते हैं। गर्मी के इस सितम के बीच सफारी का माहौल पूरी तरह से समर मोड में आ गया है।

रायपुर। जंगल सफारी में अमूमन अठखेलियां करने वाले शेर, तेंदुआ, भालू और हिरण जैसे तमाम वन्यजीव इन दिनों दोपहर के वक्त खुले मैदानों से दूरी बना रहे हैं। सूरज की तपिश बढ़ते ही ये जानवर घने पेड़ों की छांव या अपने बाड़ों में बने चबूतरों के नीचे आराम फरमाते नजर आते हैं। तपती दोपहरी में पेड़ों की ठंडी छांव ही इन बेजुबानों के लिए सबसे बड़ा सुकून बन गई है। तेज धूप में इनकी शारीरिक गतिविधियां भी कम हो गई हैं और ये अपना ज्यादातर समय सुस्ताते हुए बिता रहे हैं।

प्राकृतिक माहौल और प्रबंधन की मुस्तैदी

बदलते मौसम के बीच सफारी का यह नजारा बताता है कि बेजुबान जानवर भी प्राकृतिक रूप से मौसम के अनुकूल ढलना जानते हैं। सफारी प्रबंधन की मुस्तैदी, पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था और पेड़ों की घनी छांव के सहारे जंगल सफारी के ये वन्यजीव इस भीषण गर्मी के मौसम को आसानी से मात देने में लगे हुए हैं। प्रकृति और इंसानी देखभाल का यह तालमेल सफारी के इन निवासियों को सुकून भरी राहत दे रहा है।

भालुओं को भा रहा 'कलिंदर', डाइट में शामिल हुए रसदार फल

वन्यजीवों को डिहाइड्रेशन और लू की मार से बचाने के लिए सफारी प्रबंधन ने उनकी डाइट में भी खास बदलाव किया है। जानवरों के शरीर में पानी की कमी न हो, इसके लिए उन्हें अधिक से अधिक तरल पदार्थ और रसीले फल परोसे जा रहे हैं। सफारी के भालू इन दिनों बड़े मजे से कलिंदर (तरबूज) का लुत्फ उठाते दिख रहे हैं। ठंडे और रसीले तरबूज उन्हें गर्मी से बड़ी राहत दे रहे हैं। मांसाहारी और शाकाहारी, दोनों तरह के जीवों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उनकी डाइट में रस वाले फल और ठंडी तासीर वाली चीजें शामिल की गई हैं।

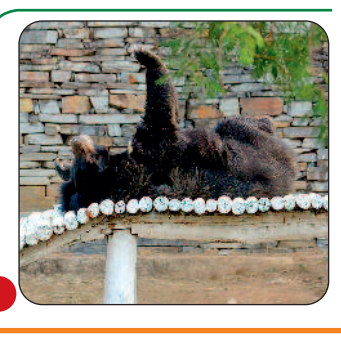

सिटी इवेंट

भगवान विष्णु की पहली पत्थर प्रतिमा की खोज पर विशेष फिल्म का प्रदर्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक व सांस्कृतिक धरोहर को नई पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'डिसकवरी ऑफ विष्णुः एक तलाश, एक यात्रा' का प्रथम सार्वजनिक प्रदर्शन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह फिल्म पुरातात्विक समुदाय में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाने वाली उस ऐतिहासिक खोज पर आधारित है, जिसमें भगवान विष्णु की पहली पत्थर (पाषाण) की प्रतिमा के बिलासपुर जिले के मल्हार स्थित एक बंद ऑन-साइट संग्रहालय में सुरक्षित होने का उल्लेख किया गया है। फिल्म ने प्रमुखता से यह प्रश्न उठाया है कि इतनी महत्वपूर्ण धरोहर होने के बावजूद यह प्रतिमा आज भी व्यापक पहचान और सम्मान से वंचित क्यों है? फिल्म के माध्यम से उपस्थित दर्शकों ने इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत की एक विशेष यात्रा का अनुभव किया। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिक, इतिहास एवं पुरातत्व प्रेमी, कला-संस्कृति से जुड़े लोग तथा विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। इसके पश्चात परियोजना का परिचय दिया गया, फिल्म के विषय में जानकारी दी गई और फिर फिल्म का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों का संबोधन एवं धन्यवाद ज्ञापन भी हुआ। फिल्म के निर्माता एवं प्रस्तोता डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि यह प्रयास केवल एक फिल्म नहीं है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक माध्यम है। उन्होंने बताया कि इस ऐतिहासिक खोज को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना ही इस प्रस्तुति के पीछे प्रमुख प्रेरणा रही है। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों ने फिल्म की विषयवस्तु, प्रस्तुति व सांस्कृतिक महत्व की सराहना की तथा इसे छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक धरोहर को नई पहचान दिलाने वाला एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

पहली बार चार्टर्ड अकाउंटेंट शाखा ने रायपुर में किया दीक्षांत समारोह

रायपुर। आईसीएआई की रायपुर शाखा और सीआईआरसी द्वारा पहली बार रायपुर में आईसीएआई दीक्षांत समारोह का सफल आयोजन किया गया। यह अवसर शाखा एवं चार्टर्ड अकाउंटेंसी समुदाय के लिए यादगार पल साबित हुआ। यह अवसर इसलिए भी ऐतिहासिक रहा, क्योंकि रायपुर शाखा के इतिहास में पहली बार किसी महिला अध्यक्ष के नेतृत्व में किया गया। पहली बार शाखा को दीक्षांत समारोह करने का अवसर मिला। इस दीक्षांत समारोह का संपूर्ण उद्घोधन एवं संचालन रायपुर शाखा की प्रथम महिला अध्यक्षा सीए रश्मि वर्मा ने किया। समारोह में लगभग 125 न्यूली क्वालिफाइड चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने भाग लिया और अतिथियों, सीए, गर्वित अभिभावकों एवं परिवारजनों की उपस्थिति में सदस्यता प्रमाण-पत्र प्राप्त किए। मुख्य अतिथि सीए मनोज फडनिस और समन्वयन सीए दिनेश कुमार अग्रवाल ने किया।

सभी के सहयोग और प्रयास से सफल हुआ समारोह

समारोह की शुरुआत अध्यक्षा सीए रश्मि वर्मा के स्वागत उद्बोधन से हुई। इसमें उन्होंने सभी अतिथियों, सदस्यों एवं परिवारजनों का स्वागत किया और रायपुर में पहली बार दीक्षांत समारोह आयोजित होने के महत्व पर प्रकाश डाला। सभा को संबोधित करते हुए सीए मनोज फडनिस ने अपने व्यावसायिक अनुभव साझा किए और न्यूली क्वालिफाइड चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सफल पेशेवर जीवन के लिए नैतिक मूल्यों, ईमानदारी, व्यावसायिकता एवं निरंतर सीखते रहने के महत्व पर विशेष बल दिया। समापन सचिव सीए ऋषिकेश यादव के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इसे सफल बनाने में सभी सदस्यों, सीए रवि जैन, संस्कार अग्रवाल एवं विकास गोलछा का विशेष योगदान रहा।

ग्रीष्मकालीन आकार शिविर आज, 16 विधाओं में कला गुरु निखारेंगे प्रतिभाएं

रायपुर। शहर के कला साधकों के लिए पारंपरिक शिल्प एवं विविध कला प्रशिक्षण शिविर आकार-2026 का आयोजन होने जा रहा है। यह आयोजन महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर में 25 मई से शुरू होगा। इसकी तैयारी संस्कृति विभाग द्वारा शुरू कर दी गई है। संस्कृति विभाग के मुताबिक, विभाग द्वारा पारंपरिक शिल्प कलाओं के संरक्षण, प्रचार-प्रसार, जागरूकता तथा रुचि जागृत करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 'आकार-2026' पारंपरिक शिल्प एवं विविध कला प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर 25 मई से प्रारंभ होगा, जो अधिकतम 15 दिनों तक संचालित होगा। यह शिविर दो पालियों में सुबह 7 से 10 बजे तक एवं सायं 5 बजे से 8 बजे तक महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर में आयोजित होगा।

150 से अधिक ने कराया पंजीयन

पंजीयन प्रक्रिया 21 मई से महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर में प्रारंभ हो चुकी है। अब तक 150 से अधिक प्रतिभागियों ने विविध विधाओं में पंजीयन कराया है। प्रशिक्षण शुल्क 100 रुपए निर्धारित किया गया है। वहीं, दिव्यांग एवं अनाथ बच्चों को शुल्क में छूट दी जाएगी। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद प्रतिभागियों द्वारा निर्मित कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी और प्रमाण पत्र भी वितरित किए जाएंगे। इच्छुक प्रतिभागी संस्कृति विभाग की वेबसाइट और ईमेल के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 0771-2995629 एवं 2537404 नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

कार्नर न्यूज

युवाओं आर्टिस्ट ने भी बदलते दौर में म्युरल आर्ट को बनाया शौक, स्टार्टअप की तरह चला रहे और मिल रहा काम

सीनरी की जगह 2डी-3डी म्यूरल्स वर्क का क्रेज, घर-आफिस को दे रहे डिफरेंट लुक

रायपुर। समय के साथ शहर में घर-आफिस ही नहीं, इनकी दीवारों को भी 2डी, 3डी म्यूरल वर्क से खास तरह की कला-कृतियों को सजाने में रुचि ले रहे हैं। इन दिनों कृष्ण-राधा, बांसुरी के साथ मोर पंख ज्यादा आर्डर करने लगे हैं। बड़े-बड़े संस्थानों में भी अब संस्थापकों की फोटो नहीं, बल्कि लोग उनकी 3डी पेंटिंग बनवाने लगे हैं। आर्टिस्टों की मानें तो शहर में पांच सौ से ज्यादा युवा अलग-अलग ग्रुप बनाने के बाद इसे स्टार्टअप के रूप में चला रहे हैं। इससे थ्रीडी कलाकारी के काम को पसंद किया जाने लगा है। शादी-सगाई के अवसर को खास बनाने के लिए लोग मैरिज हाल, फार्म हाउस, रेस्टोरेंट को ही नहीं, बल्कि घर-आफिस के साथ ही अतिथि कक्ष को भी थ्रीडी डिजाइन में हाइपर म्यूरल से अलग लुक देना पसंद कर रहे हैं। सरकारी कार्यालयों की वॉल पेंटिंग को अब थीम बेस्ड बनाने के लिए आर्टिस्टों को काम देने लगे हैं। बड़े होटलों में इंटीरियर डिजाइनर्स के माध्यम से कृतियों को तराशने के लिए आर्डर मिलने लगे हैं। स्टार्टअप के रूप में

थ्रीडी वॉल पेंटिंग से जुड़े युवाओं को लेकर आर्टिस्ट अमुलहक ने बताया कि राजेश रावत, मोहन विश्वकर्मा जैसे युवाओं को जोड़ने के बाद काम शुरू किया। अभी तक शहर में सैकड़ों घरों -आफिसों को कम बजट में पेंटिंग के जरिए

अनोखा लुक दिया है। अपनी पसंद और स्पेस के अनुरूप बनवाने के लिए लोग आर्डर भी करते हैं। अभी थ्रीडी आर्ट में हायपर लुक का क्रेज है। प्राकृतिक सौंदर्य को लोग वॉल पेंडिग में थ्रीडी हायपर म्यूरल बनवा रहे हैं।

थ्रीडी रंगोली को म्युरल आर्ट का हिस्सा बनाया

युवा अपने हाथों में गजब का हुनर रखते हैं। कलाकारों ने नए कलेवर में थ्रीडी रंगोली को भी म्युरल आर्ट का हिस्सा बना लिया है। ग्रुप प्रोजेक्ट को टूडी, थ्रीडी डिजाइनिंग, वॉकथ्रू डिजाइनिंग, वीएफएक्स डिजाइनिंग के साथ जैसा क्रिएटिव वर्क हो, इंटीरियर आर्ट, गार्डन जैसे क्रिएटिव वर्क, कंस्ट्रक्शन वर्क आर्ट से रिलेटेड मूर्तियां, स्विमिंग पूल वर्क, पुट्टी पेंट पॉलिश, टेक्सचर रस्टिक वर्क गार्डनिंग, प्री- वेडिंग सेटअप, मैरिज हॉल के साथ ही प्राइवेट संस्थाओं और सरकारी कार्यालयों में वॉल पेंटिंग से जुड़े कलाकारों की पूछ-परख बढ़ने लगी है।

अब 60 से 300 रुपए प्रति वर्गफीट में काम

आर्टिस्ट बताते हैं कि लोग पूजा कक्ष, गेस्ट रूम के साथ ही आफिसों के मीटिंग रूम को अलग लुक देना चाहते हैं। कम बजट में अलग अहसास करवाने के लिए लोग थ्रीडी हायपर थीम को ही पसंद करते हैं। बड़े मैरिज हाल, पैलेस, रेस्टोरेंट, होटल के साथ ही 60 रुपए से लेकर 300 रुपए प्रति वर्गफीट की दर में मनचाहा लुक देने के लिए लोग थीम भी खुद देते हैं। कई लोग इंटीरियर के माध्यम से काम देते हैं। टूडी-थ्रीडी वॉल पेंटिंग, दीवारों पर मूर्तियों की जगह प्लास्टिक पेंट, पिगमेंट जैसी सामग्री से आकार देते हैं।

सिटी लाइव

मानवता की सेवा में 5वें वर्ष आगे आई छत्तीसगढ़ पंजाबी सनातन सभा

रायपुर। समाज सेवा और मानव कल्याण की भावना को सर्वोपरि रखते हुए छत्तीसगढ़ पंजाबी सनातन सभा द्वारा एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह संस्था का लगातार पांचवां वर्ष है ,जब इस पुनीत कार्य का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं और समाज के लोगों ने भारी उत्साह के साथ हिस्सा लेकर रक्तदान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रक्तदाताओं ने अपनी सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंदों के लिए रक्त उपलब्ध कराने में अपना अमूल्य योगदान दिया। इस दौरान उपस्थित चिकित्सा टीम द्वारा स्वास्थ्य और सुरक्षा की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। इस अवसर पर संस्था के यूथ विंग अध्यक्ष विवेक साहनी, महासचिव अमित वर्मा, कोषाध्यक्ष सनी डोडेजा और उनकी पूरी टीम ने सभी रक्तदाताओं, सहयोगियों व कार्यकर्ताओं का आभार जताया। पदाधिकारियों ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है, जिससे कई अनमोल जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। संस्था ने भविष्य में भी जनसेवा और जागरूकता के ऐसे आयोजन निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी रक्तदाताओं और सहयोगियों को उनके इस उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कैंपस लाइव

हैप्पीनेस प्रोग्राम में प्रतिभागियों ने प्राणायाम भस्त्रिका, सुदर्शन क्रिया और योग सीखा

रायपुर। सुधा सोसाइटी फाउंडेशन और आर्ट ऑफ़ लिविंग की पहल पर आयोजित चार दिवसीय हैप्पीनेस प्रोग्राम का समापन रविवार को एम्पीरिया सैफायर ग्रीन कम्युनिटी हॉल में हुआ। आयोजन 21 से 24 मई तक चला। रविवार को सुबह 11:30 बजे अतिथियों और लोगों की मौजूदगी में इसको अंतिम रूप दिया गया। इसमें मुख्य अतिथि कौशल चौधरी (कोषाध्यक्ष एम्पीरिया सैफायर) थे। उन्होंने समापन समारोह में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किया। विशिष्ट अतिथियों में मुकेश अग्रवाल एवं भावना उपाध्याय (फैकल्टी, आर्ट ऑफ़ लिविंग, यूनाइटेड किंगडम) शामिल रहीं। प्रशिक्षक और शिक्षा प्रोग्राम का संचालन आर्ट ऑफ़ लिविंग कि प्रमाणित प्रशिक्षक काजल रामचंदानी और शुभांशु खरे ने किया।

सभी प्रतिभागियों और प्रशिक्षकों ने साझा की यादें

प्रतिभागियों के बीच अनुभव को साझा करने का अवसर भी दिया गया। इनकी सहभागिता से कुल 15 घंटे का यह प्रोग्राम पूर्ण किया गया। प्रतिभागियों ने विशेष रूप से सुदर्शन क्रिया और प्रभावशीलता को लेकर प्रशंसा की। रेखा तिवारी ने बताया कि 'सुदर्शन क्रिया का अनुभव मेरे लिए अद्वितीय रहा।' दीविका साहू ने कहा कि यह कोर्स मेरे जीवन का टर्निंग पॉइंट रहा। चंद्र मोहन साहू ने अनुभव साझा करते हुए बताया कि यह कोर्स हर व्यक्ति के लिए उपयोगी है, इसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। प्रोग्राम के सफल आयोजन में सुधा सोसाइटी फाउंडेशन के संस्थापक और चेयरमैन जीके भटनागर की सक्रिय भूमिका रही। समापन पर आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों, अतिथियों और प्रशिक्षकों का धन्यवाद किया।

लाइव इवेंट

सजना है मुझे सजना के लिए ... जैसे सदाबहार गीतों से सजी सुरों की महफिल

रायपुर। सिविल लाइंस स्थित देव टॉवर के रजवाड़ा सभागार में भव्य सुगम संगीत संध्या का आयोजन हुआ। 'ये शाम मस्तानी' नाम से आयोजित इस सुगम संगीत की रूहानी महफ़िल में संगीत के फनकारों ने सुरीली गीतों की स्वारांजलि से समां बांध दिया। कार्यक्रम कमल भंडारी की पुण्य स्मृति को समर्पित था। इसमें डॉ. दीपक बेडेकर ने शास्त्रीय बंदिश और मंजूषा बेडेकर ने भावपूर्ण प्रस्तुति से संगीतमय श्रद्धांजलि दी। ये शाम मस्तानी परिवार के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहर के प्रतिष्ठित डॉक्टरों और गणमान्य संगीत प्रेमियों की उपस्थिति ने आयोजन को गरिमामयी बनाया।

इन कलाकारों ने गायकी से मोहा मन

इस संगीतमय शाम को सदाबहार गीतों की प्रस्तुति से गीतकारों ने संगीत प्रेमियों का मन मोह लिया। डॉ. शचि जौहरी ने बाबूजी धीरे चलना... डॉ. मीनाक्षी दुबे ने सजना है मुझे सजना के लिए ...और पद्मा अग्रवाल ने तू मुझे जान से प्यारा है... गाकर खूब वाहवाही लूटी। राजश्री श्रीवास्तव ने भावुक कर देने वाला गीत तुम मुझे यूं भुला न पाओगे... प्रस्तुत किया। वहीं, सांत्वना धगट ने जरा जरा महकता है... और पदमा अग्रवाल ने 'आजा रे आ जरा' गीतों से शाम को और हसीन बना दिया। इसके साथ ही डॉ. संजीव मेश्राम ने 'लंबी जुदाई', नीलम दिवाकीर्ति ने 'न जा, अभी अब ना जा', डॉ. जावेद अली खान ने 'जिंदगी का सफर है, यह कैसा सफर' और डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने 'संसार की हर शै का' गाकर संगीत प्रेमियों को आनंदित किया।

● सुन्दर नगर स्थित इस्कॉन प्रचार केन्द्र में सुबह से शाम तक किए गए विविध विधान, श्रद्धालुओं की रही भीड़

मैंगो फेस्टिवल थीम पर सजा श्री राधे-कृष्ण धाम अभिषेक उत्सव-संकीर्तन से चढ़ गया भक्ति का रंग

भगवान की भक्ति के लिए पवित्र महीने के रूप में मलमास तीन साल बाद मिला। इसको खास बनाने के लिए सुन्दर नगर स्थित इस्कॉन प्रचार केन्द्र में रविवार को सुबह से शाम तक भक्ति के साथ उत्सव का माहौल बना।

रायपुर। अनंत शेष प्रभुजी के साथ रोहिणीनंद और माधवाचार्य प्रभुजी के मार्गदर्शन में मैंगो फेस्टिवल थीम पर श्री राधे -कृष्ण के श्रीधाम को फूलों और विविध प्रकार के आमों से आकर्षक स्वरूप दिया गया। जहां सुबह साढ़े 7 बजे मुंबई से मंगाए गए आर्टिफिशियल ज्वेलरी, बनारस से लाए गए मलमल के आकर्षक वस्त्रों से दिव्य श्रृंगार किया गया। सुबह 8 बजे दर्शन आरती में भक्त सपरिवार शामिल हुए। इसके बाद संकीर्तन का क्रम शुरू हुआ। इसके चलते इस्कॉन प्रसाद केन्द्र में भक्तिमय वातावरण निर्मित हुआ। भगवान को भोग अर्पित करने के बाद प्रसादी स्वरूप भक्तों में वितरित किया गया।

प्रभु को अर्पित किए गए 56 भोग, की आरती

अभिषेक का सिलसिला खत्म होने के बाद भगवान को 56 भोग अर्पित किए गए। अनंत शेष प्रभुजी ने बताया कि भोग में आम से निर्मित व्यंजनों को प्राथमिकता से शामिल किया गया। इसे सभी भक्तों के सहयोग से तैयार किया गया था। भोग अर्पित करने के साथ आरती की गई। इसके बाद सभी भक्तों को प्रसादी वितरित करने के बाद एक दिवसीय मैंगो फेस्टिवल का समापन किया गया। इसमें सहयोगी के रूप में सेवा देने वाले भक्तों के प्रयास से भक्तिमय उत्सव का माहौल बना। इसमें आसपास रहने वाले परिवार भी शामिल हुए।

केन्द्र से जुड़े भक्तों की दिनभर रही आवाजाही

भगवान के दिव्य स्वरूप की एक झलक पाने के लिए भक्तों की दिनभर आवाजाही रही। शाम को संकीर्तन के बीच भगवान का सबसे पहले पंचामृत, उसके बाद पांच फलों के रस और आम रस से अभिषेक किया गया। इस अलौकिक दृश्य को अपलक निहारते हुए भक्त संकीर्तन करने में लीन हुए। इस एक दिवसीय उत्सव को यादगार बनाने में केन्द्र से जुड़े प्रभुजी और माताजी की सहभागिता भी देखने को मिली। लोग खुद वहां व्यवस्थागत कार्यों में सहयोग करते हुए नजर आए। हर किसी ने प्रभु के प्रति अपनी भावनात्मक श्रद्धा अर्पित की।

श्रीराधा-कृष्ण के जयकारों के साथ श्रद्धालुओं ने निकाली भव्य जलयात्रा

सड्डू स्थित श्रीराधाकृष्ण मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का हुआ शुभारंभ

रायपुर। सड्डू स्थित श्रीराधाकृष्ण मंदिर परिसर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सेक्टर-8 में रविवार को श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का शुभारंभ हुआ। इससे कॉलोनी में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का वातावरण बना। कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर सुबह महिलाओं द्वारा पीले वस्त्र धारण कर भव्य जलयात्रा निकाली गई। हाथों में कलश लिए महिलाओं ने भजन-कीर्तन करते हुए पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण का निर्माण किया। जलयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन शामिल हुए। भगवान श्रीराधा-कृष्ण के जयकारों एवं राधे-राधे के उद्घोष से पूरा क्षेत्र भक्तिरस में सराबोर हो गया।

जलयात्रा उपरांत विधिवत पूजा-अर्चना के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कथा वाचन के दौरान तबला, कीबोर्ड एवं भजन गायकों की मधुर संगत ने वातावरण को अत्यंत भावपूर्ण बना दिया। भजनों और संगीतमय प्रस्तुति के साथ श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण का आनंद लिया।पंडरिया गंडई से पधारे कथावाचक पंडित गौकरण शास्त्री ने अपने मंगलाचरण एवं प्रारंभिक प्रवचन में श्रीमद् भागवत कथा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भागवत श्रवण मानव जीवन को सद्-मार्ग की ओर ले जाता है तथा भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का संचार करता है।

कथा श्रवणपान करने उमड़े श्रद्धालु

प्रमुख आयोजक डॉ. शोभा श्रीवास्तव, डॉ. किरण श्रीवास्तव एवं डॉ. आनंद श्रीवास्तव हैं, जिनके मार्गदर्शन में यह धार्मिक आयोजन संपन्न हो रहा है। आयोजन समिति एवं श्रीराधाकांत सेवा समिति के सदस्यों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से प्रतिदिन कथा एवं विभिन्न धार्मिक प्रसंगों में सपरिवार सम्मिलित होने का आग्रह किया है।

श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आज सातवां दिन

स्वर्गीय संजय कुमार वर्मा एवं स्वर्गीय श्रीमती दुलारी वर्मा की पुण्य स्मृति व पुष्प श्लोक पूर्वजों के कल्याणार्थ आयोजित भगवान श्री कृष्ण व उनकी आल्हादिनी शक्ति किशोरी कृपा से एवं कथावाचक पं. चंपेश कृष्ण जी महाराज (नंदकट्टी वाले) एवं परायणकर्ता पं. जय डॉ. महेश शर्मा के श्रीमुख से 19 से 26 मई तक निवास स्थान- गौरा-गौरी चौक संजय नगर रायपुर में भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। पुरे मोहल्ले के व्यक्तियों में भक्ति एवं आनंद का माहौल देखने को मिल रहा है। 19 तारीख को भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह कथा प्रारंभ संपन्न हुआ और आज श्री सुदामा चरित्र एवं तुलसी वर्षा, चढ़ोत्तरी और 26 को गीता हवन तर्पण एवं पूर्णाहुति संपन्न होगा।

सुरुज के तपनी ल देख, मन म आगी बरय...छत्तीसगढ़ी काव्य पाठ से मोहा मन

रायपुर। छत्तीसगढ़ हिंदी साहित्य मंडल के तत्वावधान में पुरानी बस्ती स्थित जैतू साव मठ में 'सूर्य नारायण का एक छत्र राज है' सामयिक विषय पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें गर्मी के मौसम में कवियों का एक मंच सजाया गया, जहां शहर के उभरते व वरिष्ठ कवियों ने सूर्य नारायण पर अपना काव्य पाठ किया। छत्तीसगढ़ हिंदी साहित्य मंडल के आचार्य अमरनाथ त्यागी की अध्यक्षता में काव्य गोष्ठी हुई। उन्होंने कहा कि जब सूर्य का एकछत्र राज चल रहा, तापमान नई ऊंचाई छू रहा, कवियों ने वातानुकूलित घरों से निकलकर साहित्य की अनूठी छांव में, तपस्वियों की तरह अलख जगाया है। सुनील पांडे ने संचालन एवं गोपाल सोलंकी ने संयोजन किया। कवयित्री कल्याणी तिवारी कोकि ने छत्तीसगढ़ी में अपनी पंक्ति 'सुरुज के तपनी ल देख, मन मा आगी बरय, तेहा परतापवान, आगी के बरसा बरसावत हस ना, ताते-तात धूंका ल, भुइंया मा कुढ़ोवत हस ना। राजेंद्र रायपुरी ने पढ़ा..."सूरज का अब हो गया, एक छत्र है राज, बना हुआ सम्राट वो, इस धरती का आज, मनमानी करने लगा, बनकर के सम्राट, करने पर वह है तुला, खड़ी सभी की खाट।' लतिका भावे ने 'ग्रीष्म का हुआ आगमन, साथियों संभलना, गर्म थपेडों का चलन, शुरू हुआ संभलना' जैसे काव्य पाठ से प्रकृति और मौसम के साथ जीवों के तालमेल और रहन सहन को रचना के अद्भुत कल्पना में प्रस्तुत किया।

काव्य पाठ में इनकी रही उपस्थिति

काव्य गोष्ठी में अंबर शुक्ला अंबरीश, डॉ. महेंद्र ठाकुर, भूपेंद्र शर्मा, डॉ. मृणालिका ओझा, रामेश्वर शर्मा, राजेंद्र ओझा, चेतन भारती, तेजपाल सोनी, मन्नू लाल यदु 'नाथ', डॉ. उदय भान सिंह चौहान, कुमार जगदली, यशवंत चतुर्वेदी, एस.एन.जोशी, मनोज वैष्णव, यशवंत यदु यश आदि ने भी प्रस्तुति दी।

ऑफिस वर्किंग, कॉलेज, कोचिंग क्लासेस जाने वाले धूप से बचने नए फैशनेबल विकल्प चुन रहे

नौतपा में हीट स्ट्रोक से बचने यूथ में फैशन का नया ट्रेंड फेस मास्क, कॉटन वियर और सनक्रीम की बढ़ी डिमांड

कार्नर न्यूज

रायपुर। नौतपा की आज से शुरुआत होने जा रही है। ऐसे में ऑफिस वर्किंग, कॉलेज, कोचिंग क्लासेस गोविंग यूथ फैशन के साथ-साथ धूप से बचने नए फैशनेबल विकल्प चुन रहे हैं। युवा खान-पान के साथ-साथ स्कीन केयरिंग को लेकर काफी गंभीर हैं। वे तेज गर्मी और चिलचिलाती धूप से बचने के लिए नए ट्रेंडिंग स्कीन प्रोटेक्टिव गैजेट्स व आउटफीट में लाइट वेट कॉटन वियर्स, यूवी गॉगल्स और सनक्रीम का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके चलते युवा शहर में बढ़ते तापमान और हीटवेव के अलर्ट के बीच धूप से बचाव और कूल रहने के लिए इन प्रोडक्ट्स की जमकर खरीदारी कर रहे हैं। धूप और गर्मी से बचने के लिए शहर के गोलबाजार, पंडरी कपड़ा मार्केट, पुरानी बस्ती रोड कपड़े की शो रूम, स्पोर्ट्स वियर शो रूम, सड़क किनारे कई तरह के गैजेट्स व आउटफीट बिक रहे हैं। इनमें बाइक राडडिंग के लिए फेस मास्क हेलमेट, सूरज की हानिकारक किरणों से बचने के लिए फुल-स्लीव कॉटन जैकेट और सनकोट, गॉगल्स और फेस कवर कैप्स की कई रेंज युवाओं को सबसे ज्यादा पसंद आ रही हैं। कॉटन के आउटफिट गर्मी के लिए सबसे कंफर्टेबल है, जो पसीना सोखने और शरीर को ठंडा रखते हैं। सूरज की हानिकारक किरणों से बचने के लिए फुल-स्लीव कॉटन जैकेट और सनकोट खास है। वहीं, चिलचिलाती धूप, धूल और हानिकारक पराबैंगनी किरणों से आंखों को सुरक्षित रखने के लिए अच्छे सनग्लासेस में यूवी-प्रोटेक्शन वाले गॉगल्स और फेस कवर कैप्स, सनस्क्रीन ऑन डिमांड पर हैं। इस तरह से विशेषकर युवा नौतपा से बचने नए फैशन व लाइफ स्टाइल का सहारा लेते दिखे रहे हैं।

नए ट्रेंडिंग वियर में ब्रीजी कॉर्ड सेट्स, ढीले कॉटन पलाजो की क्रेज

गर्मी के लिए नए ट्रेंडिंग लाइट-वेट कॉटन वियर में ब्रीजी कॉर्ड सेट्स, ढीले कॉटन पलाजो और सांस लेने वाले चिकनकारी या फ्लोरल प्रिंटेड कुर्ते सबसे पसंद किए जा रहे हैं। ये सुपर-सॉफ्ट, पसीना सोखने वाले और बेहद आरामदायक होते हैं, जो आपको भीषण गर्मी में भी स्टाइलिश और कूल रखते हैं। धूप में बाहर निकलते समय युवा इन आउटफीट और गैजेट्स का इस्तेमाल कर धूप से भी बच रहे हैं और खुद को स्टाइलिश लुक भी दे रहे हैं।

फैशन के साथ खान-पान पर भी रखें ध्यान

शहर के जाने माने एंडो गैस्ट्रोलॉजीस्ट डॉ. कुलदीप सोलंकी ने कहना है कि नौतपा के दौरान भीषण गर्मी और लू से बचने के लिए शरीर को हाइड्रेटेड रखें। नौतपा के इन 9 दिनों में चिलचिलाती धूप और लू से बचाव के लिए युवा वर्ग दिन भर में कम से कम 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं। शरीर को अंदर से ठंडा रखने के लिए नींबू पानी, छाछ, लस्सी, आम पन्ना, नारियल पानी और सत्तू का सेवन करें। भारी, तैलीय और मसालेदार खाने से बचें। सादा और आसानी से पचने वाला भोजन करें। तरबूज, खरबूजा, खीरा, ककड़ी और पपीता जैसे पानी से भरपूर फलों को डाइट में शामिल करें।

दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक धूप के संपर्क से बचें

शहर के जाने माने स्कीन रोग विशेषज्ञ डॉ. मृत्युंजय सिंह का कहना है कि लोग दोपहर 12 से शाम 4 बजे के बीच घर से बाहर निकलने से बचें। यदि निकलना जरूरी हो तो सिर और चेहरा ढंक कर निकलें। हल्के रंग के ढीले-ढाले और सूती कपड़े पहनें ताकि शरीर को हवा मिलती रहे। घर से बाहर निकलने से पहले अच्छी क्वालिटी की सनस्क्रीन लोशन लगाएं और बाइक राइडिंग करते समय आंखों को धूप से बचाने के लिए सनग्लासेस धूप का चश्मा, फेस मास्क, स्कीन प्रोटेक्ट गैजेट्स पहनें।

सिटी स्पोर्ट्स

अंडर-16 में बिलासपुर की टीम फाइनल में

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर-16 एलिट ग्रुप अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे सेमीफाइनल के चौथे एवं अंतिम दिन रोमांचक मुकाबले हुए। धमतरी में हुए मैच में टीम बिलासपुर विरुद्ध भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) का परिणाम ड्रॉ रहा। पहली पारी की बढ़त के आधार पर बिलासपुर की टीम फाइनल में पहुंची। बल्लेबाजी में बीसीए पहली पारी 155 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में बिलासपुर पहली पारी में 536 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में बीसीए ने दूसरी पारी में अपने कल के स्कोर एक विकेट पर 46 रन से आगे खेलते हुए पांच विकेट पर 159 रन बनाएं इस प्रकार मैच का परिणाम ड्रॉ रहा। बिलासपुर की टीम पहली पारी के बढ़त के आधार पर फाइनल में पहुंची।

रॉयल स्ट्राइकर की 70 रन से जीत

भिलाई। इस्पात क्लब द्वारा आयोजित इस्पात सुपर प्रो सॉफ्टबॉल क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के अंतर्गत खेले गए मैच में रविवार को शानदार मुकाबला हुआ। मिनी स्टेडियम खुर्सीपार में टीम रॉयल स्ट्राइकर विरुद्ध अनजानेय ब्लास्टर में परिणाम रॉयल स्ट्राइकर ने 70 रन से जीत हासिल की। प्लेयर ऑफ द मैच एसके महतो रहे। दूसरा मैच शिव-11 विरुद्ध अनजानेय ब्लास्टर में हुआ। परिणाम में शिवा -11 ने 75 रन से जीत हासिल की। प्लेयर ऑफ़ द मैच एस टी हरि, मैच के अंपायर हरप्रीत सिंह, मोहम्मद दाऊद अंसारी, सुनील कुमार डड़सेना एवं पियूष साहू, स्कोरर विवेक सिंघम एवं वीरेंद्र रहे। यह जानकारी प्रतियोगिता के आयोजक अरविंद सिंह ने दी।

अवि खेलेंगे जूनियर एशिया कप हॉकी में

रायपुर। बिलासपुर के अवि मानिकपुरी का

चयन अंडर-18 जूनियर्स एशिया कप हॉकी के लिए भारतीय टीम में हुआ है। इस बार जापान में यह प्रतिष्ठित महाद्वीपीय टूर्नामेंट 29 मई से 6 जून तक खेला जाएगा। अवि ने बिलासपुर के गलीमैदानों से शुरुआत की जहाँ अभाव था। आज वह जापान की विश्वस्तरीय सुविधाओं वाले मैदानों में भारत की जर्सी पहनकर खेलेंगे। इस यात्रा में छत्तीसगढ़ हॉकी संगठन के अध्यक्ष फिरोज अंसारी, महासचिव डॉ. मनीष श्रीवास्तव, रोहित बाजपेयी प्रेसिडेंट हॉकी बिलासपुर, कोच राजेश हेनरी, हरिशंकर हेटा, मृणाल चौबे, अनुराग श्रीवास्तव, अमिताभ मानिकपुरी, धनीराम यादव, रवि पारिख, सोनू सिंह आदि का मार्गदर्शन और सहयोग अवि को प्राप्त हुआ।

एशियन गेम्स में कुराश खेल के ट्रायल में शामिल हुए आदित्य

रायपुर। जापान में आयोजित होने वाले एशियन गेम्स में कुराश खेल के भारतीय टीम के ट्रायल पुणे में 10 से 15 मई तक आयोजित किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ के आदित्य सिंह ठाकुर बतौर निर्णायक उपस्थित हुए। आदित्य पहले भी वर्ल्ड कुराश चैंपियनशिप 2016, सीनियर एशियन कुराश चैंपियनशिप 2017, साउथ एशियन कुराश चैंपियनशिप 2024 में बतौर निर्णायक भाग ले चुके है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ ओलिम्पिक एसोसिएशन के महासचिव विक्रम सिंह सिसोदिया, शरद शुक्ला, प्रशांत सिंह रघुवंशी, बैजनाथ गुप्ता नीलेश यादव पूनम अहीर, वर्षा मिरी, गौतम मिरी, सुकलाल यदु, जगदीश चौधरी, आशीष यादव , समीर घृतेश और रमा टण्डन ने बधाई दी है।

दुनिया भर में हर 300 में से एक को सिजोफ्रेनिया की आशंका

बना रहता है भ्रम और सुनाई देती हैं डरावनी आवाजें सिजोफ्रेनिया खतरनाक तरीके से पसार रहा अपने पांव

सिजोफ्रेनिया एक दीर्घकालिक और गंभीर मानसिक बीमारी है जिसमें व्यक्ति को भ्रम बना रहता है। ये बीमारी आपके मस्तिष्क के काम करने के तरीके को प्रभावित कर देती है।

मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं दुनियाभर में गंभीर चिंता का कारण बनी हुई हैं। हम सभी अपने शारीरिक स्वास्थ्य पर तो ध्यान देते रहते हैं पर मेंटल हेल्थ को अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। पर क्या आप जानते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य संबंधित कई समस्याएं काफी गंभीर हो सकती हैं?

सिजोफ्रेनिया ऐसी ही एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य की समस्या है, जो दुनियाभर में लाखों लोगों को प्रभावित करती है। आंकड़ों से पता चलता है कि दुनियाभर में लगभग 24 मिलियन (2.4 करोड़) लोग या 300 में से 1 व्यक्ति को सिजोफ्रेनिया की दिक्कत हो सकती है। सिजोफ्रेनिया एक दीर्घकालिक और गंभीर मानसिक बीमारी है जिसमें व्यक्ति को वास्तविकता की धारणा में भ्रम होता है। ये व्यक्ति के व्यवहार, मानसिक स्थिति, सोचने-समझने की क्षमती सभी को प्रभावित कर सकती है।

विश्व सिजोफ्रेनिया दिवस हर साल की तरह इस साल भी 24 मई को मनाया गया। इस साल भी

देश और दुनिया में शनिवार को जनजागरुकता के कई कार्यक्रम हुए। इसका उद्देश्य इस गंभीर मानसिक रोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने और रोगियों की सहायता में सुधार करने पर ध्यान देना होता है।

सिजोफ्रेनिया और इसका खतरा

कल्पना कीजिए कि आप एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं जहां हर आवाज पर शक होता हो, हर चेहरा अजनबी लगता हो और खुद की सोच भी परायी लगने लगती हो। सिजोफ्रेनिया वास्तव में यही है। सिजोफ्रेनिया का आपके शारीरिक और मानसिक दोनों स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ये बीमारी आपके मस्तिष्क के काम करने के तरीके को प्रभावित कर देती है परिणामस्वरूप रोगियों के लिए दैनिक जीवन के कार्य भी काफी कठिन हो जाते हैं।

सिजोफ्रेनिया होने के कारण क्या हैं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि सिजोफ्रेनिया बीमारी किसी एक कारण से नहीं होती, बल्कि इसके लिए कई जैविक, आनुवंशिक और पर्यावरणीय कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। अगर परिवार में किसी को सिजोफ्रेनिया की दिक्कत रही है, तो इससे अन्य लोगों में भी होने की आशंका बढ़ जाती है। अध्ययनों से पता चलता है कि डोपामिन और ग्लूटामेट जैसे न्यूरोट्रांसमीटर का असंतुलन मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को बिगाड़ सकता है, इसके कारण भी सिजोफ्रेनिया होने का खतरा बढ़ जाता है। गर्भावस्था या प्रसव के दौरान संक्रमण, ऑक्सीजन की कमी, या पोषण की कमी से दिमागी विकास पर असर पड़ सकता है।बचपन में भावनात्मक आघात, अकेलापन, गरीबी या सामाजिक अलगाव भी सिजोफ्रेनिया को ट्रिगर कर सकती है।

सिजोफ्रेनिया में क्या दिक्कतें होती हैं?

सिजोफ्रेनिया आपके जीवन को कई प्रकार से प्रभावित करने वाली हो सकती है। मतिभ्रम होना सिजोफ्रेनिया का सबसे आम लक्षण है। इससे प्रभावित लोगों को भ्रम और डर बना रह सकता है, रोगी उन चीजों को भी वास्तविक मानने लग जाते हैं जो असल में होती ही नहीं हैं। रोगी को ऐसा लग सकता है जैसै कोई मेरा पीछा कर रहा है, मुझे मारने का प्रयास किया जा रहा है आदि। आपको लग सकता है कि कोई आपके सोचने, बोलने या कार्य करने को नियंत्रित कर रहा है। बोलते समय आपको अपने विचारों को व्यवस्थित करने में परेशानी हो सकती है।अक्सर नकारात्मक विचार मन को परेशान करते रह सकते हैं, जिससे जीवन काफी कठिन हो जाता है। सिजोफ्रेनिया मानसिक स्वास्थ्य की गंभीर स्थिति है जिसका समय पर इलाज कराना जरूरी है। अगर आपको घर में किसी व्यक्ति में सिजोफ्रेनिया जैसे लक्षण दिख रहे हैं तो जल्द से जल्द मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ के पास ले जाएं।

यूरिक एसिड बढ़ने का कारण हो सकती हैं आपकी कुछ आम गलतियां

यूरिक एसिड का स्तर नियंत्रित रखने के लिए खानपान और जीवनशैली में बदलाव अत्यंत आवश्यक है। आइए जानते हैं कि किन चीजों के कारण आपका यूरिक एसिड बढ़ सकता है और इसे कैसे कंट्रोल किया जाए?

यूरिक एसिड का स्तर बढ़ना आजकल एक आम समस्या बन चुकी है। अगर इसे समय रहते नियंत्रित न की जाए, तो इसके कारण गठिया, किडनी स्टोन और अन्य स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, खान-पान में गड़बड़ी के कारण यूरिक एसिड की दिक्कत बढ़ती जा रही है, जिसको लेकर सभी लोगों को सावधान हो जाना चाहिए।

यूरिक एसिड का स्तर नियंत्रित रखने के लिए खानपान और जीवनशैली में बदलाव अत्यंत आवश्यक है। रेड मीट, सीफूड, अल्कोहल और मीठे पेय से दूरी बनाकर, स्वस्थ और पौष्टिक खानपान की आदत बना ली जाए तो इस समस्या से बचाव किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि किन चीजों के कारण आपका यूरिक एसिड बढ़ सकता है और इसे कैसे कंट्रोल किया जाए?

पहले यूरिक एसिड के बारे में जान लीजिए

यूरिक एसिड शरीर में पाए जाने वाले प्यूरिन नामक तत्व के ब्रेकडाउन से बनता है। प्यूरिन प्राकृतिक रूप से शरीर की कोशिकाओं में और कुछ खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। जब शरीर में प्यूरिन की मात्रा बढ़ जाती है, तो ये ठीक से बाहर नहीं निकल पाती है और जमा होने लगती है। समय पर इस समस्या पर ध्यान न दिया जाए तो आप मुश्किल में फंस सकते हैं। यूरिक एसिड को कंट्रोल रखने के लिए कुछ चीजों से दूरी बनाना या इनका सेवन कम करना चाहिए।

रेड मीट और सी फूड नुकसानदायक

रेड मीट वैसे तो प्रोटीन का अच्छा स्रोत है पर इसका अधिक सेवन कई प्रकार से नुकसानदायक हो सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, रेड मीट का अधिक सेवन करने वालों में यूरिक एसिड और गाउट की आशंका अधिक पाई गई। इसी तरह झींगे, टूना और मैकेरल जैसे समुद्री मछलियों में भी उच्च मात्रा में प्यूरिन पाया जाता है। हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की एक अध्ययन ने पाया कि नियमित रूप से सीफूड का सेवन करने से भी यूरिक एसिड का स्तर बढ़ता है।

अंतर्राष्ट्रीय बॉडी बिल्डर रेफरी राव निलंबित, अरविंद को दी जिम्मेदारी

भिलाई। अंतर्राष्ट्रीय बॉडी बिल्डर रेफरी बी राजशेखर राव को छत्तीसगढ़ प्रदेश बॉडी बिल्डर एसोसिएशन ने सभी पदों से एवं बॉडी बिल्डिंग की सभी खेल गतिविधियों से आगामी आदेश तक निलंबित कर दिया है। सीबीआई द्वारा नौकरी लगाने के नाम पर उन्हें रिश्वत लेते पकड़ा गया गया था और न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है।

इस संबंध में छत्तीसगढ़ प्रदेश बॉडी बिल्डर एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र कुमार टेकाम की अध्यक्षता में रविवार को एग्जीक्यूटिव बॉडी की बैठक भिलाई में हुई। जिसमें बी. राजशेखर राव को छत्तीसगढ़ प्रदेश बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के सभी पदों एवं बॉडी बिल्डिंग खेल के सभी क्रियाकलापों से आगामी आदेश तक निलंबित कर दिया

गया। इंडियन बॉडी बिल्डिंग फेडरेशन के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंद सिंह को एग्जीक्यूटिव कमेटी ने महासचिव पद के कार्यों का प्रभार सौंप दिया है। इस आपातकालीन बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र कुमार टेकाम के अलावा इस महत्वपूर्ण बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंद सिंह, उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ठाकुर कबीरधाम कार्यकारिणी सदस्य रमेश हिरवानी धमतरी, सुमित विश्वास कोरबा,मोहम्मद सलीम जांजगीर-चांपा, नाहिद खान राजनांदगांव, दुर्गा प्रसाद दुबे भिलाई, एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष तुलसी प्रसाद सोनी व बिलासपुर से सुभाष कुमार वर्चुअल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा बैठक में उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के प्रतीक स्विटजरलैंड में लेंगे साइकिलिंग का सर्वोच्च प्रशिक्षण

भिलाई। साइकिलिंग खेल से जुड़े युवा प्रशिक्षक प्रतीक मनोध्या का चयन विश्व साइकिलिंग के सर्वोच्च एवं सबसे प्रतिष्ठित कोचिंग कार्यक्रम यूसीआई लेवल-3 कोचिंग कोर्स हेतु किया गया है। यह प्रशिक्षण यूनियन साइकिलिस्ट इंटरनेशनल के मुख्यालय एगल, स्विट्जरलैंड में आयोजित किया जा रहा है। साइकलिंग एसोसिएशन ऑफ़ छत्तीसगढ़ के महासचिव विनायक चन्नावार यह जानकारी देते हुए बताया कि साइकिलिंग कोचिंग के क्षेत्र में इसे विश्व का सर्वोच्च कोर्स माना जाता है, इससे बड़ा कोचिंग कोर्स इस खेल में नहीं होता।

उन्होंने बताया कि प्रतीक मनोध्या ने स्वयं राष्ट्रीय स्तर पर साइकिलिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी पहचान बनाई है। इसके पश्चात उन्होंने नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स पटियाला से साइकिलिंग कोचिंग में डिप्लोमा प्राप्त कर कोचिंग क्षेत्र में कदम रखा। वर्ष 2023 से वे साइकलिंग एसोसिएशन ऑफ़ छत्तीसगढ़ के साथ जुड़कर भिलाई एवं छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को लगातार प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ साइकलिंग खेल संघ द्वारा उन्हें विगत तीन वर्षों से आज पर्यंत मानदेय पर रखा गया है।

सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बीच भी उन्होंने खिलाड़ियों को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण, अनुशासन एवं उच्च स्तरीय तैयारी उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन में कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे, उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथ खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित खेल अकादमियों में हुआ। खेल जगत में यह बात विशेष रूप से चर्चा का विषय रही है कि उन्होंने कई खिलाड़ियों को "जीरो से हीरो" बनाने का कार्य किया और नई

प्रतिभाओं को पहचान दिलाई।

उनकी मेहनत, समर्पण, तकनीकी ज्ञान एवं खिलाड़ियों को लगातार बेहतर मंच दिलाने के प्रयासों को देखते हुए स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं भारत सरकार द्वारा उन्हें विश्व के सर्वोच्च कोचिंग कोर्स यूसीआई लेवल-3 कोचिंग कोर्स हेतु चयनित कर स्विट्जरलैंड भेजा गया है।

साइकलिंग एसोसिएशन आफ छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. हिमांशु द्विवेदी, बी. एस. पी. साइकिलिंग क्लब के अध्यक्ष नरेंद्र बंछोर, बी .एस .पी . साइकिल पोलो क्लब के अध्यक्ष परविंदर सिंह,सह प्रशिक्षक देवप्रकाश वर्मा एवं शशांक देशमुख तथा राज्य साइकलिंग संघ के पदाधिकारियों खेल प्रेमियों, खिलाड़ियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने प्रतीक मनोध्या को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

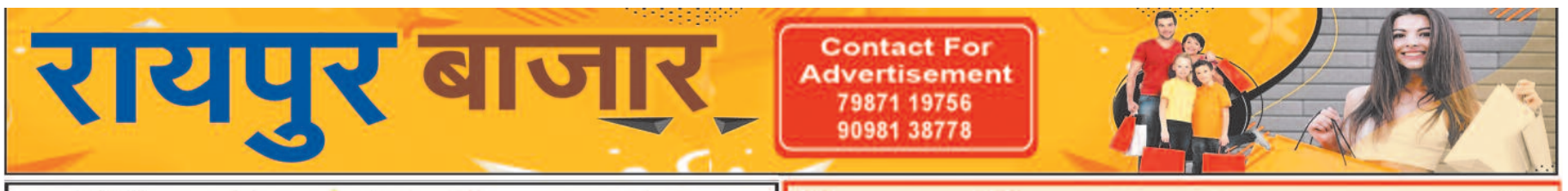

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

लॉर्ड ऑफ द रिंग्स'के निर्देशक पीटर को मिला पाम डी'ओर अवॉर्ड

''लॉर्ड ऑफ द रिंग्स' ट्रिलॉजी के लिए मशहूर फिल्म निर्माता - निर्देशक पीटर जैक्सन को 79वें कान फिल्म फेस्टिवल की ओपनिंग सेरेमनी में पाम डी'ओर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। पीटर जैक्सन को ये अवॉर्ड 'लॉर्ड ऑफ द रिंग्स' के अभिनेता एलिजा वुड ने प्रदान किया। पाम डी'ओर से सम्मानित होने के साथ ही पीटर जैक्सन इससे सम्मानित हस्तियों की सूची में शामिल होंगे, जिनमें एग्नेस वर्दा, मार्को बेलोचियो, जोडी फोस्टर, मेरिल स्ट्रीप और पिछले साल के विजेता रॉबर्ट डी नीरो शामिल हैं। इस अवॉर्ड को मिलने पर पीटर जैक्सन ने कहा कि मैं पाम डी'ओर जीतने वाला व्यक्ति नहीं हूं। अवॉर्ड जीतने के बाद अपने भाषण में सभी को धन्यवाद जताते हुए पीटर जैक्सन ने कहा कि ये वाकई मैजिकल है, क्योंकि मैं पाम डी'ओर जीतने वाली फिल्में नहीं बनाता। उन्होंने 2001 में कान फिल्म फेस्टिवल में 'द फेलोशिप ऑफ द रिंग' का 20 मिनट का एक छोटा सा वीडियो दिखाने के बारे में बात करते हुए कहा कि इससे फिल्म के प्रति लोगों की सोच बदल गई। जब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई, तो लोगों में इसे लेकर एक ऐसी उत्सुकता पैदा हो गई जो कान फिल्म फेस्टिवल में न जाने पर पैदा नहीं होती।

'द लॉर्ड ऑफ द रिंग्सः द टू टावर्स' और 'द लॉर्ड ऑफ द रिंग्सः द रिटर्न ऑफ द किंग' के साथ जारी इस ट्रिलॉजी ने कुल 17 ऑस्कर अवॉर्ड जीते, जिनमें से 11 'रिटर्न ऑफ द किंग' के लिए थे। डेडलाइन के अनुसार, इन फिल्मों ने दुनिया भर में लगभग 3 अरब अमेरिकी डॉलर की कमाई की।

टॉलीवुड

'एनटीआरनील' की पहली झलक से पहले दर्शकों को मिला सरप्राइज

जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म 'एनटीआरनील' की पहली झलक एक्टर के जन्मदिन के मौके पर रिलीज होगी। इससे पहले मेकर्स ने उत्साहित दर्शकों को एक और सरप्राइज दिया है। फिल्म का नया स्टिल रिलीज हुआ है।

अभिनेता जूनियर एनटीआर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म का निर्देशन प्रशांत नील कर रहे हैं। फिलहाल, इसका टाइटल तय नहीं है और अस्थाई तौर पर इसे 'एनटीआरनील' कहा जा रहा है। इस फिल्म की पहली झलक का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जूनियर एनटीआर के जन्मदिन पर फर्स्ट लुक आ सकता है। मगर, इससे पहले एक स्टिल सामने आया है।

मेकर्स ने 'एनटीआरनील' का एक नया स्टिल साझा किया है। 'एनटीआरनील' के आधिकारिक एक्स अकाउंट से इसे साझा किया गया है। इसमें रेगिस्तानी इलाके की झलक है। जूनियर एनटीआर नजर आ रहे हैं। हालांकि, उनका चेहरा नहीं दिखा है, क्योंकि वे बैकसाइड से पोज देते दिखे हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'यह शांति ..... पहले की है'। बाकी आप जानते हैं कि खाली जगह में क्या भरना है'।

आज जारी हुए स्टिल को देखकर जूनियर एनटीआर के फैंस और नेटिजंस क्रेजी हो रहे हैं। कोई लिख रहा है, बॉक्स ऑफिस पर आंधी आने वाली है। तो कोई कह रहा है कि ब्लॉकबस्टर फिल्म आने वाली है। बता दें कि 20 मई को जूनियर एनटीआर का जन्मदिन है। इस मौके पर फिल्म का पहला लुक सामने आएगा। मेकर्स ने 19 मई की आधी रात को फिल्म की पहली झलक जारी की है। इसी के साथ इंडस्ट्री में इसकी अवधि को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि यह लॉन्च एसेट 3 मिनट से ज्यादा लंबा हो सकता है।

भोजपुरी

लॉन्च हुआ आम्रपाली की फिल्म 'बीवी हो तो ऐसी' का पोस्टर

भोजपुरी फिल्म 'बीवी हो तो ऐसी' का फर्स्ट लुक पोस्टर लॉन्च किया गया। इस फिल्म में भोजपुरी सिनेमा की स्टार आम्रपाली दुबे लीड रोल में हैं। 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में भोजपुरी सिनेमा ने भी अपना परचम लहराया है। इंटरनेशनल मंच पर 20 मई को भारत पवेलियन में भोजपुरी फिल्म 'बीवी हो तो ऐसी' का फर्स्ट लुक पोस्टर लॉन्च किया गया। इस खास मौके पर फिल्म के स्टार्स, मेकर्स और इंडस्ट्री की कई जानी-मानी हस्तियों की मौजूदगी ने कार्यक्रम की रौनक बढ़ा दी। अब इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर निशांत उज्जवल ने इस मौके को भोजपुरी सिनेमा के लिए गर्व और ऐतिहासिक का पल बताया। उन्होंने कहा कि कान्स जैसे बड़े इंटरनेशनल मंच पर फिल्म का पोस्टर लॉन्च करना भोजपुरी सिनेमा के लिए बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा, 'बीवी हो तो ऐसी सिर्फ एंटरटेनमेंट तक सीमित नहीं है, बल्कि ये महिलाओं से जुड़े अहम मुद्दे को अच्छे तरीके से दिखाने वाली फिल्म है।' 'बीवी हो तो ऐसी' के डायरेक्टर सोमभूषण श्रीवास्तव है। वहीं, इस फिल्म को रेणुविजय फिल्म्स एंटरटेनमेंट प्रा।लि। के बैनर तले प्रोड्यूस किया जा रहा है। इस फिल्म में भोजपुरी सिनेमा की स्टार आम्रपाली दुबे लीड रोल में हैं। वहीं, एक्टर विक्रांत सिंह भी फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। देव सिंह, रामसुजन सिंह, माया यादव, सुबोध सेठ, सबा खान, साहिबा, पल्लवी कोली, मनोज द्विवेदी और अवधेश मिश्रा जैसे एक्टर्स भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

जुल्फों की लाली

डिज़ाइनर कर्बी जीन-रेमंड ने मॉडल की जुल्फों को अपने एक्सपरिमेंट का अड्डा बना दिया। अपनी इस शानदार और विशाल रचना से उन्होंने फ़ैशन प्रेमियों को दीवाना बना दिया। बालों के अनगिनत रोलर्स से बनी केप जैसी आकृति से लेकर बेहद स्टाइलिश मखमली रोब तक—यह सब देखकर लोग बस देखते ही रह गए।

हैवी नेकलेस की जगह स्टाइल करें मटर माला

अगर आपका भी सिंपल ज्वलरी पहनना पसद ह, ता एस म आप मटर माला के ट्रेंडी डिजाइंस को वियर कर सकती हैं, जिसे स्टाइल करके आपका लुक सुंदर नजर आएगा। साथ ही आप अच्छी लगेंगी।

ज्वेलरी पहनना हम सभी को पसंद होता है। इसलिए जब भी कुछ अलग वियर करने का मन करता है, तो हम नेकलेस सेट या इयररिंग्स को खरीदते हैं। इस बार आप हैवी ज्वेलरी की जगह सिंपल डिजाइन वाली मटर माला को स्टाइल करें। मटर माला पहनने के बाद अच्छी लगेगी। साथ ही आपके लुक को अट्रैक्टिव बनाएगी। आइए बताते हैं किस तरह के डिजाइन वाली मटर माला को आप वियर कर सकती हैं।

जाली वर्क डिजाइन मटर माला

आप पहनने के लिए इस तस्वीर में नजर आने वाली मटर माला को वियर कर सकती हैं। मटर माला पहनने के बाद अच्छी लगेगी। साथ ही इससे आपका लुक भी खूबसूरत नजर आएगा।

सिंगल चेन मटर माला

गले में पहनने के लिए आप सिंगल चेन मटर माला को वियर कर सकती हैं। मटर माला पहनने के बाद अच्छी लगेगी। साथ ही इसे आप किसी भी आउटफिट के साथ वियर कर सकती हैं।

मल्टीकलर डिजाइन मटर माला

आप अपने लुक में चार चांद लगाने के लिए मल्टीकलर डिजाइन वाली मटर माला को वियर कर सकती हैं। मटर माला पहनने के बाद अच्छी लगेगी। साथ ही इसे आप किसी भी तरह के आउटफिट्स के साथ वियर कर पाएगा। आपका इस तरह की मटर माला मार्केट में आसानी से मिल जाएगी, जिसे आप ट्राई कर सकती हैं।

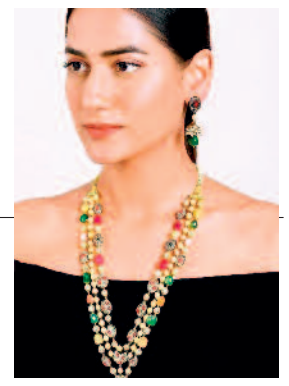

छोटे डिजाइन वाली मटर माला

आप आउटफिट के साथ वियर करने के लिए इस तस्वीर में नजर आने वाली मटर माला को वियर कर सकती हैं। इस तरह की मटर माला पहनने के बाद सुंदर लगती है। इसका छोटा डिजाइन इसे और अलग बनाता है। इसलिए आप इसे साड़ी या सूट किसी के भी साथ मैच करके वियर कर सकती हैं और सुंदर नजर आ सकती हैं। अगर आप कुछ अलग ट्राई करना चाहती हैं, तो तस्वीर में नजर आने वाली मटर माला को ट्राई कर सकती हैं।

इस तरह के डिजाइन वाली मटर माला में आपको थ्री लेयर का डिजाइन मिलेगा। हर एक लेयर में मटर आपको थोड़ी छोटी और कुछ बड़ी मिलेंगी। इससे माला का डिजाइन यूनिक और अट्रैक्टिव नजर आएगा। आप इसे भी ट्राई कर सकती हैं। आप लॉन्ग ज्वेलरी पहनना पसंद करती हैं, तो ऐसे में आप लॉन्ग डिजाइन वाली मटर माला को स्टाइल कर सकती हैं। मटर माला दिखने में जितनी अच्छी लगती है पहनने के बाद भी सुंदर नजर आती है।

रेट्रो फैशन फिर उभरा स्टाइल आइकन बनकर

रेट्रो फैशन अब एक बार फिर स्टाइल आइकन बनकर उभरा है। रेट्रो फैशन बॉलीवुड की ग्लैमरस गलियों में छा गया है। बॉलीवुड अभिनेत्रियां इस बात का बेहतरीन उदाहरण हैं कि कैसे पुराना फैशन भी नए अंदाज में ट्रेंडी बन सकता है।

फैशन में सबसे दिलचस्प बात यह है कि ये समय के साथ घूमता है और पुराने दौर का स्टाइल फिर से ट्रेंड बन जाता है। 60 और 70 के दशक का रेट्रो लुक आज के दौर की कई बॉलीवुड अभिनेत्रियों के बीच बेहद लोकप्रिय हो गया है। चाहे वह हेडबैंड्स हों, पोल्का डॉट्स वाली ड्रेसेज हों या विंटेज आईलाइनर हो।

रेट्रो लुक क्या है?

रेट्रो लुक उस दौर के फैशन को कहते हैं जो 1960s और 1970s के समय में ट्रेंड में था। इस दौर में फैशन में रंग बिरंगे कपड़े, बड़े सनग्लासेस, बेल-बॉटम्स, बफैंट हेयरस्टाइल और कैट आई मेकअप आम थे। इन फैशन एलिमेंट्स ने उस दौर की मुमताज, शर्मिला टैगोर, जीनत अमान, हेमा मालिनी जैसी अभिनेत्रियों को आइकॉनिक बना दिया था। आज की अभिनेत्रियों पर रेट्रो का असर सबसे ज्यादा है।

आप कैसे अपनाएं रेट्रो लुक

पोल्का डॉट्स साड़ियों और ड्रेसेज में आज भी रेट्रो स्टाइल ट्रेंडिंग है। आप इस तरह के प्रिंट के आउटफिट को अपना सकती हैं। बेल बॉटम्स जीन्स और पैंट्स का फैशन फिर से आ गया है। ये आपको आसानी से रेट्रो लुक दे सकता है। हाई बन और बफैंट हेयरस्टाइल उस दौर की अभिनेत्रियों का रेट्रो लुक एलिमेंट हुआ करता थी। इसे कैरी करके रेट्रो लुक पा सकते हैं। कैट आई लाइनर और विंटेज आई मेकअप रेट्रो लुक को पूरा करने में मदद करता है। बड़े राउंड सनग्लासेस और हेयरबैंड्स से आप किसी थीम पार्टी में रेट्रो फैशन स्टाइल को अपना सकते हैं। 1970 का दशक किसी भी अन्य दशक से अलग था।

पसीने की बदबू करती है परेशान तो ट्राई करें ये आसान से उपाय

पसीने की बदबू को आप सिर्फ परफ्यूम के इस्तेमाल से कंट्रोल नहीं कर सकते। इससे आपको और परेशानी हो सकती है। ऐसे में यदि आप भी पसीने की बदबू से परेशान हैं तो हमारे बताए गए घरेलू नुस्खों को आजमाकर देख लें। इन नुस्खों को ट्राई करके आप पसीने की बदबू से राहत पा सकते हैं।

नींबू आएगा काम

यदि आपके अंडर आर्म्स से पसीने की बदबू काफी ज्यादा आ रही है तो नींबू आपके काम आ सकता है। इसके लिए नींबू को काटकर उसे अंडर आर्म्स में रगड़ें। नहाने से दस मिनट पहले इस नुस्खे को आजमाएं, और फिर नहा लें। हो सकता है कि नींबू आपको सूट न करें, ऐसे में ध्यान रखें कि यदि इसके इस्तेमाल के बाद त्वचा पर जलन हो रही है, या फिर इरिटेशन हो रही है तो इसे तत्काल प्रभाव से धो लें। यदि ये आपको सूट कर रहा है तो नहाने से पहले हर रोज नींबू का इस्तेमाल करके पसीने की बदबू से राहत पाएं।

एप्पल साइडर विनेगर

सेब का सिरका खाने में तो काम आता ही है, पर क्या आप जानते हैं कि आप इसका इस्तेमाल पसीने की बदबू को दूर करने के लिए भी कर सकते हैं। ये शरीर के पीएच लेवल को संतुलित करने में मदद करता है और बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकता है। इसका इस्तेमाल करना चाहते हैं तो रुई की मदद से इसे अंडरआर्म्स पर लगाएं। इसका इस्तेमाल भी नहाने से ठीक 15 मिनट पहले करें। 15 मिनट बाद नहाकर इसे साफ कर लें। ये बैक्टीरिया को जड़ से खत्म करता है, जिस कारण बदबू कंट्रोल में रहती है।

गर्मी से बेजान हो गई है त्वचा तो अपनाएं ये नुस्खे, खिल उठेगी आपकी स्किन

कौन नहीं चाहता कि उसकी त्वचा खिली-खिली रहे। लेकिन गर्मी के मौसम में चेहरा अपने आप डल होने लगती है। दरअसल, गर्मी में तेज धूप और पसीने से त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में स्किन का सही तरीके से ध्यान रखना बेहद जरूरी हो जाता है।

डल स्किन को हटाने के लिए वैसे तो महंगी-महंगी क्रीमें बाजार में मिलती हैं, लेकिन कई बार ये असर नहीं दिखातीं। ऐसे में हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताएंगे, जिनके इस्तेमाल से आपकी स्किन की खोयी हुई रंगत फिर से वापस आ जाएगी।

एलोवेरा जेल लगाएं

गर्मी से त्वचा बेजान हो रही है तो एक बार पैच टेस्ट करने के बाद दिन में कम से कम दो बार एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करें। एलोवेरा त्वचा को ठंडक देता है, हाइड्रेट करता है और डलनेस दूर करता है। इसलिए आप बिना सोचे इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

आलू का रस

यदि गर्मी से चेहरे पर काले धब्बे और टैनिंग हो रही है तो उसके लिए आलू का रस आपकी मदद करेगा। इसके लिए आलू को कद्दूकस करके उसका रस निकाल लें और फिर उसे चेहरे पर अप्लाई करें।

नींबू और शहद का फेसपैक

चेहरे की डलनेस को दूर करने के लिए इस पैक का इस्तेमाल किया जा सकता है। नींबू ब्लीचिंग का काम करता है और शहद त्वचा को मॉइस्चराइज करता है। ऐसे में सबसे पहले तो एक कटोरी में शहद लें। इसके बाद इसमें नींबू का रस मिक्स करें। दिन में बीच-बीच में गुलाब जल को चेहरे पर स्प्रे करते रहें। ये एक अच्छे टोनर के रूप में काम करता है। इसका इस्तेमाल आप सीटीएम रूटीन में भी फॉलो कर सकते हैं। गुलाब जल आपके चेहरे को हाइड्रेट भी रखेगा।

कार्नर न्यूज

काले रंग के कपड़े गर्मी के मौसम में अलग तरह से करें स्टाइल

गर्मी में डार्क रंग के कपड़ों से बढ़ जाता है शरीर का तापमान, ऐसे स्टाइल करें ब्लैक आउटफिट

शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा, जिसे ब्लैक रंग न पसंद हो। ये एक ऐसा रंग है, जिसे कभी भी, किसी भी मौके पर पहना जा सकता है। ब्लैक रग का आउटफिट अपने आप में ही रॉयल लुक देने का काम करता है। लेकिन गर्मी के मौसम में ब्लैक आउटफिट पहनने में काफी परेशानी आती है। दरअसल, गर्मी के मौसम में डार्क रंग पहनने से न सिर्फ और भी ज्यादा गर्मी लगती है, बल्कि घमौरियां होने की आंशंका भी काफी हद तक बढ़ जाती है। इसी कारण हम आपको गर्मी में ब्लैक आउटफिट को सही तरह से स्टाइल करने के टिप्स देंगे। इन टिप्स को फॉलो करके आप अपने लुक में बदलाव कर सकते हैं।

फैब्रिक हो सही

अपने लिए ब्लैक आउटफिट खरीद रहे हैं, या उसे पहनने जा रहे हैं तो पहले ये देख लें कि इसका फैब्रिक गर्मी के मौसम के हिसाब से हो। गर्मी के मौसम मे आप कॉटन, लिनन या रेयॉन फैब्रिक के ब्लैक आउटफिट कैरी कर सकते हैं। सिंथेटिक फैब्रिक से दूर रहें, इससे आपकी त्वचा पर इंफेक्शन का खतरा रहेगा।

बॉडी फिटिंग से रहें दूर

गर्मी के मौसम में ज्यादा फिटिंग के कपड़े वैसे भी दिक्कत बढ़ा सकते हैं। खासतौर पर यदि इनका रंग ब्लैक होगा, तो ये आपको और परेशान कर देंगे। इसलिए इस मौसम में हमेशा ढीले ब्लैक आउटफिट ही पहनें, ताकि आपकी त्वचा पर किसी तरह की कोई परेशानी न होने पाए।

लेयरिंग से रहें दूर

इस भीषण गर्मी में तो वैसे भी लेयरिंग से दूर ही रहना चाहिए। पर, जब बात हो रही है ब्लैक आउटफिट की तब तो इस बात को गांठ बांध लें कि इसके साथ लेयरिंग तो भूल के भी न करें। इससे आपकी परेशानी कई गुना बढ़ जाएगी लेयरिंग सिर्फ सर्दी के मौसम में अच्छी रहती है।

एक्सेसरीज हो हल्की

अपने ब्लैक आउटफिट लुक के साथ हल्की एक्सेसरीज का चयन करें। हैट, सनग्लासेस, हल्की ज्वेलरी या स्लिंग बैग के साथ अपने लुक को कंप्लीट करें। इसके साथ यदि आप ज्यादा हैवी एक्सेसरीज कैरी करेंगे तो इससे भी आप परेशानी में पड़ सकते हैं।

मेकअप रखें लाइट

गर्मी के मौसम में वैसे भी ज्यादा हैवी मेकअप की जरूरत नहीं पड़ती है। खासतौर पर जब आप ब्लैक रंग का आउटफिट कैरी कर रही हैं, तब तो अपने मेकअप को एकदम ही मिनिमल रखें। थोड़ा सा भी ज्यादा मेकअप आपको गर्मी में परेशान कर देगा।